आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम!!

वर्ष-11 । अंक 109 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

इंदौर, गुरुवार, 24 अप्रैल, 2025

आतंकियों का 'पाक कनेक्शन'

स्कैच जारी

एजेंसी ● नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर अब तस्वीरें साफ होती जा रही हैं। जिन चार आतंकियों ने बेगुनाहों की बेरहमी से जान ले ली, उनके स्कैच जारी हुए हैं। अब चारों आतंकियों की तस्वीरें भी सामने आ चुकी है। दो आतंकी पश्तो भाषा में बात कर रहे थे। ये दोनों पाकिस्तानी बताए जा रहे हैं, जिनकी पहचान कर ली गई है। इनमें एक आतंकी आसिफ शेख जैश-ए-मोहम्मद का आतंकी है। चार आतंकियों में से तीन के नाम भी सामने आए हैं। इनके कोड में नाम थे, आसिफ फौजी का नाम मूसा था, सुलेमान शाह का नाम युनूस था, अबु तल्हा का कोड नामआसिफ था। आतंकियों के शरीर पर बॉडी कैम लगे थे और उन्होंने पूरी घटना का वीडियो बनाया था। उनके पास AK-47 और अमेरिकन M-14 राइफलें थीं। खुफिया एजेंसियों को घटनास्थल के पास से काफी एडवांस कैटेगरी के संचार उपकरण मिले हैं, जिससे पता चलता है कि आतंकियों को कहीं बाहर से लॉजिस्टिक सपोर्ट और सहयोग मिल रहा था। हमलावर आतंकी पाकिस्तान में बैठे ऑपरेटिव के साथ प्रत्यक्ष रुप से संपर्क में थे और वहां बैठे उनके आकाओं को पूरी जानकारी लाइव मिल रही थी।

दो स्थानीय आतंकियों की पहचान

बायसरन घाटी में हुए हमले में शामिल दो स्थानीय आतंकियों की पहचान कर ली गई है। दो पाकिस्तानी आतंकियों की भी पहचान हुई है। मंगलवार को आतंकियों ने करीब 20 मिनट तक एके-47 से गोलीबारी की थी। स्थानीय आतंकियों के नाम आदिल अहमद ठाकुर और आशिफ शेख बताए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, आदिल ठाकुर लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। आदिल गुरी, बिजबेहड़ा का रहने वाला बताया जा रहा है। आशिफ शेख का जैश-ए-मोहम्मद से कनेक्शन बताया जा रहा है। आशिफ मोंघामा, मीर मोहल्ला (त्राल) का रहने वाला बताया जा रहा है। जानकारी यह भी मिली है कि हमले के कुछ आतंकियों ने बॉडी कैमरा लगाया था। हमले की पूरी घटना को आतंकियों ने रिकॉर्ड किया था।

हमले का मास्टरमाइंड है सैफुल्लाह कसूरी

पहलगाम आतंकी हमले पर बड़ा खुलासा हुआ है-आर्मी सूत्रों के मुताबिक लश्कर का टॉप कमांडर सैफुल्लाह खालिद पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड है और सैफुल्लाह ने ही इस आतंकी हमले की साजिश रची थी। सैफुल्लाह पिछले दो महीने से इस हमले की प्लानिंग में जुटा था और इस सिलसिले में उसने दो बार पाकिस्तानी आर्मी कैंप का दौरा किया था। सैफुल्लाह लश्कर ए तैयबा के सरगना हाफिज सईद का बेहद करीबी है और लश्कर का डिप्टी चीफ है। उसका पूरा नाम सैफुल्लाह खालिद है, जिसे सैफुल्लाह कसूरी के नाम से भी जाना जाता है। आतंकी हमले के बाद TRF ने इसकी जिम्मेदारी ली थी। TRF लश्कर ए तैयबा का मुखौटा है और यह 2019 में अस्तित्व में आया था। TRF और PAFF का गठन सैफुल्लाह ने ही किया है।

करारा जवाब देंगे : राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है- आतंकवाद को लेकर भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति है। इस आतंकी हमले के दोषियों के साथ ही इसके पर्दे के पीछे छिपे लोगों तक भी पहुंचा जाएगा। करारा और स्पष्ट जवाब दिया जाएगा। विशेष धर्म को निशाना बनाया गया है। जल्द ही इसका रिजल्ट भी देखने को मिलेगा।

पाक रक्षा मंत्री का भारत पर आरोप

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा,'दिल्ली में जो हुकूमत है, उसके खिलाफ बगावत हुई पड़ी है। ये घर में पनपा हुआ है। लोग हक मांग रहे हैं। हिंदुत्व हुकूमत जो लोगों का शोषण कर रही है, अल्पसंख्यकों को, जिनमें मुसलमान भी हैं, ईसाई भी हैं, बौद्ध भी हैं, उसके खिलाफ बगावत है। जो वहां पर हो रहे हैं। हमारा इसके साथ कोई ताल्लुक नहीं है। हम किसी भी सूरत में आतंकवाद को कहीं भी सपोर्ट नहीं करते हैं। वहीं,पाकिस्तान के उच्चायुक्त रहे अब्दुल बासित ने कहा, पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी भारतीय दुस्साहस पर इस बार पाकिस्तान बहुत कठोर प्रतिक्रिया देगा।

सर्वदलीय बैठक

केंद्र सरकार ने गुरुवार 24 अप्रैल को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। सरकारी सूत्रों के अनुसार इस अहम बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कर सकते है। कांग्रेस ने आतंकी हमले के मद्देनजर बृहस्पतिवार को सुबह 11 बजे 24, अकबर रोज पर सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सरकार को आतंकवाद से निपटने की रणनीति पर विचार करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए।

एजेंसियां अलर्ट मोड पर

पहलगाम की बायसरन घाटी में मंगलवार को आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना बनाते हुए गोलीबारी की। आतंकी हमले के बाद बुधवार सुबह से सेना से लेकर एनआईए, पुलिस और अन्य एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं। ड्रोन और हेलिकॉप्टर से चप्पे-चप्पे पर निगरानी की जा रही है। साथ ही आतंकियों की तलाश की जा रही है। जम्मू कश्मीर से दिल्ली तक हाई अलर्ट पर है।

मुआवजे का ऐलान

जम्मू-कश्मीर सरकार ने मुआवजे का ऐलान किया है। मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों के लिए 2 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों के लिए 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। मारे गए पर्यटकों में 6 महाराष्ट्र के भी हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इन पर्यटकों के परिजनों को 5 लाख रुपए की मदद दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमने मंत्री को शवों को वापस लाने की जिम्मेदारी दी है।

आतंक के खिलाफ कश्मीर बंद

35 साल में पहली बार आतंकवाद के खिलाफ कश्मीर पूरी तरह बंद है। लोग सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। दुकानें, निजी स्कूल, कॉलेज समेत पेट्रोल पंप बंद हैं। गुस्साए लोग सड़कों पर भारत के झंडे थामे पहुंचे। पाकिस्तान के झंडे और टायर जलाए। सड़कों पर उतरकर पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की।

उरी LoC के पास दो घुसपैठिए ढेर

पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में LoC के पास बुधवार को आतंकी घुसपैठ की कोशिश की गई। सेना ने 2 आतंकवादियों को मार गिराया है। सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। आतंकवादियों से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और अन्य युद्ध संबंधी सामान बरामद किया गया है।

NIA ने शुरू की हमले की जांच

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच अब नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) ने भी शुरू कर दी है। बुधवार को अधिकारियों ने बताया कि NIA की एक टीम, जिसकी अगुआई एक इंस्पेक्टर जनरल कर रहे हैं, पहलगाम भेजी गई है। सूत्रों के मुताबिक, यह टीम स्थानीय पुलिस की जांच में मदद करेगी।

पहलगाम में गृह मंत्री अमित शाह घायलों से मिले, मृतकों को दी श्रद्धांजलि

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के शव उनके घरवालों को सौंपे जा रहे हैं। इन्हें विमान के जरिए पहुंचाया जा रहा है। गृह मंत्री अमित शाह ने श्रीनगर में पहलगाम में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अस्पताल में जाकर घायलों से भी मुलाकात की है। पहलगाम हमले में 28 लोगों की मौत हुई है। 20 से ज्यादा लोग घायल हैं। हमला उस वक्त किया गया, जब बैसरन घाटी में बड़ी तादाद में पर्यटक मौजूद थे। मृतकों में UP, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और ओडिशा के पर्यटक हैं। नेपाल और UAE के एक-एक टूरिस्ट और 2 स्थानीय भी मारे गए।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम!!

दैनिक **आदित्य भारत**

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर
गुरुवार,
24 अप्रैल,
2025

पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद आज शाम प्रधानंत्री आवास पर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी (सीसीएस) की बैठक हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल सहित कई शीर्ष अधिकारी भी शामिल हुए। यह बैठक ढाई घंटे तक चली।

पहलगाम आतंकी हमले पर सीसीएस की बैठक

भारत ने लिए पांच बड़े फैसले

सिंधु जल संधि स्थगित, अटारी-बाघा बॉर्डर बंद, पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द, पाक राजनयिक 7 दिन में भारत छोड़ें, पाक से भारतीय राजनयिकों की होगी वापसी

एजेंसी ● नई दिल्ली

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए इसकी जानकारी दी। मिस्री ने कहा, आज शाम प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सीसीएसकी बैठक हुई। सीसीएस को पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, जिसमें 26 भारतीय और दो विदेशी नागरिक मारे गए थे। कई अन्य लोग घायल हुए थे। सीसीएस ने हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, इस आतंकवादी हमले की गंभीरता को समझते हुए सीसीएस ने निम्नलिखित उपायों पर निर्णय लिया-

1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखा जाएगा, जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता।

एकीकृत चेक पोस्ट अटारी को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया जाएगा। जो लोग वैध तरीके के साथ सीमा पार कर चुके हैं, वे 1 मई 2025 से पहले उस मार्ग से वापस आ सकते हैं।

पाकिस्तानी नागरिकों को सार्कवीजा छूट योजना के तहत भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पाकिस्तानी नागरिकों को अतीत में जारी किए गए किसी भी SPES वीजा को रद्द माना जाएगा। SPES वीजा के तहत वर्तमान में भारत में मौजूद किसी भी पाकिस्तानी नागरिक के पास भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे हैं।

नई दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित किया जाता है। उनके पास भारत छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय है।

भारत इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से अपने रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को वापस बुलाएगा। संबंधित उच्चायोगों में ये पद निरस्त माने जाएंगे।

मिस्री ने कहा, "सीसीएस ने समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और सभी बलों को उच्च सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया। संकल्प लिया गया कि इस हमले के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा और उनके प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। तहव्वुर राणा के हाल के प्रत्यर्पण की तरह भारत उन लोगों की तलाश में निरंतर प्रयास करेगा, जिन्होंने आतंकवादी कृत्यों को अंजाम दिया है या उन्हें संभव बनाने की साजिश रची है।

आदिल हुसैन के पिता ने मांगा इंसाफ, मां का बुरा हाल

अनंतनाग । जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में मंगलवार को हुए आतंकी हमले से पूरा देश स्तब्ध है। पहलगाम के बेसरन में हुए इस हमले में एक स्थानीय शख्स आदिल हुसैन की भी मौत हो गई है। आदिल अनंतनाग के ही रहने वाले थे और पर्यटकों को घोड़े पर बिठाकर घाटी की सैर कराने का काम किया करते थे। आदिल परिवार के इकलौते कमाने वाले शख्स थे और परिवार का एकमात्र सहारा भी थे। उनकी मौत के बाद पूरा परिवार सदमे में है। जहां एक तरफ उनके पिता इंसाफ की मांग कर रहे हैं, वहीं उनकी मां के आंसुओं को देख लोगों के दिल पसीज रहे हैं।

आदिल के परिवार ने कहा कि आदिल मजदूरी करने के लिए पहलगाम गए थे। मंगलवार दोपहर उन्हें जब हमले की सूचना मिली तो उन्होंने आदिल से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की लेकिन कोई बात नहीं हो पाई। आदिल के पिता हैदर शाह ने आज तक को बताया, "वह कल काम करने के लिए पहलगाम गया था। दोपहर 3 बजे के आसपास हमें हमले के बारे में पता चला। हमने उसे फोन किया, लेकिन उसका फोन बंद था। बाद में उसका फोन चालू हुआ, लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया। हम पुलिस स्टेशन पहुंचे और तब हमें पता चला कि वह हमले में घायल हो गया था। जब मैं अस्पताल पहुंचा तो उसकी मौत हो गई थी।" आदिल के पिता ने कहा कि आदिल परिवार में इकलौता कमाने वाला था। हम उसकी मौत के लिए इंसाफ चाहते हैं। वह बेगुनाह था। उसे क्यों मारा गया?" आदिल के परिवार में उनके बुजुर्ग माता-पिता, पत्नी और 2 बच्चे शामिल हैं। वहीं बेटे की मौत की खबर सुन आदिल की मां का रो-रो कर बुरा हाल है। जवान बेटे को खोने के गम में उनके आंसू थम नहीं रहे हैं। बेटे की मौत के बारे में बताते हुए आदिल की मां ने कहा, "वह हमारा इकलौता सहारा था। वह परिवार के लिए पैसे कमाता था। अब हमें देखने वाला कोई नहीं। उसके बिना हम क्या करेंगे।"

बितान अधिकारी कलमा नहीं पढ़ पाए तो मार दी गोली

एजेंसी ● कोलकाता

पहलगाम आतंकी हमले में कोलकाता के रहने वाले बितान अधिकारी की भी मौत हो गई। अपनी जान बचाने के लिए बितान अधिकारी ने खुद को आतंकियों से झूठ बोला। आतंकियों को उन्होंने कहा कि वह मुसलमान हैं। इसके बाद आतंकियों ने उनको कलमा पढ़ने के लिए कहा। इस दौरान उनकी पत्नी भी मौजूद थी। जब वह कलमा नहीं पढ़ पाए तो आतंकियों ने इनको गोली मार दी।

छुट्टियां बिताने घर आए थे

जानकारी के अनुसार, अमेरिका में काम करने वाले 36 वर्षीय बितान अधिकारी अपनी पत्नी और बेटे के साथ समय बिताने के लिए अभी हाल में ही कोलकाता लौटे थे। मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों में वे भी शामिल हैं। कोलकाता के पाटुली के रहने वाले बितान अपनी पत्नी सोहिनी और तीन साल के बेटे के साथ कश्मीर में छुट्टियां मना रहे थे। उनके पड़ोसियों के मुताबिक, अधिकारी परिवार 16 अप्रैल को कश्मीर गया था और उन्हें 24 अप्रैल को लौटना था। उनके चचेरे भाई दीपक ने रोते हुए कहा कि बितान 8 अप्रैल को अमेरिका से लौटे थे। बंगाली नववर्ष पर, हम जश्न मनाने के लिए बाहर गए थे और 16 अप्रैल को वे कश्मीर के लिए रवाना हुए। उन्होंने मुझे अपने साथ चलने के लिए कहा, लेकिन मैंने मना कर दिया। हम रोज बात करते थे और मैं बार-बार उनसे कहता था कि वे घुड़सवारी पर न जाएं। वहीं मंत्री अरूप बिस्वास अधिकारी के घर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बितान की पत्नी से फोन पर बात की और सोशल मीडिया पर पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई है।

कश्मीर की बुकिंग रद्द कराने लगे लोग

पर्यटन चौपट.... एक दिन में 70% टूर हो गए कैंसल, लाखों का नुकसान

एजेंसी ● श्रीनगर

पहलगाम में हुए आंतकी हमले ने पलक झपकते ही कश्मीर की टूरिज्म इंडस्ट्री को तबाह कर दिया है। फिलहाल पूरे पर्यटन सीजन के लिए पर्यटकों ने अपनी बुकिंग रद्द करानी शुरू कर दी है। इससे ट्रैवल ऑपरेटर्स को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हो गए हैं कि बुकिंग कैंसल कराने से एक दिन में 70 फीसदी तक टूर रद्द हो गए हैं। राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी कहा है कि राज्य से पर्यटकों का पलायन देखकर दिल टूट गया है।

डीजीसीए और नागरिक उड्डयन मंत्रालय अतिरिक्त उड़ानों की व्यवस्था कर रहे हैं। दूसरी तरफ श्रीनगर और जम्मू के बीच एनएच-44 को फिर से जोड़ दिया गया है, ताकि पर्यटक जल्द से जल्द वापसी कर सकें। दूसरी तरफ अमरावती के एक टूर ऑपरेटर को 38 लाख रुपए का नुकसान हुआ है, क्योंकि पहलगाम हमले की वजह से लोगों ने अपनी बुकिंग कैंसल कर दी है। जम्मू रेलवे स्टेशन पर श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सरस्वती धाम के एक कोने में चुपचाप बैठे, अमरावती के 'ईश्वर ट्रैवल्स' में काम करने वाले 29 वर्षीय टूर मैनेजर शुभम रवींद्र वडकर ने बताया कि उनके फर्म को अब लाखों रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। वह अपने ग्राहकों को माता वैष्णो देवी मंदिर और जम्मू में अन्य पर्यटक स्थलों पर जाने के लिए मनाने की कोशिश करते देखे गए। उसने बताया कि हम पहले भी महाराष्ट्र से पर्यटकों को कश्मीर लाते थे, लेकिन अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद हम सुरक्षित और निश्चिंत महसूस कर रहे थे लेकिन मंगलवार के हमले ने पलभर में सब तबाह कर दिया। वडकर ने बताया कि वह अमरावती से 40 लोगों का एक समूह लेकर आया है। हमले के बाद, वह किसी तरह उन पर्यटकों को मुगल रोड के रास्ते जम्मू वापस लाने में कामयाब रहा।

वडकर ने बताया, "16 अप्रैल को इसी समूह ने पहलगाम में बहुत अच्छा समय बिताया लेकिन मंगलवार को पलक झपकते ही पूरा मंजर पलट गया।* उस मैनेजर ने बताया कि 25 अप्रैल और 30 अप्रैल को 40-40 पर्यटकों के तीन और समूहों को पहलगाम ले जाना था लेकिन अब सभी ग्राहकों ने अपनी बुकिंग रद्द कर दी है।* उसने बताया कि 'ईश्वर ट्रैवल्स' कश्मीर की आठ दिनों की यात्रा के लिए प्रत्येक पर्यटक से 32000 रुपये लेता है, जिसमें यात्रा, रहना और खाना शामिल होता है। उन्होंने बताया कि पहलगाम हमले के बाद 40 पर्यटकों के तीन समूहों ने अपनी बुकिंग रद्द कर दी है, जिससे 38 लाख रुपये का भारी नुकसान हुआ है।

बुकिंग 70 फीसदी तक कैंसल

जम्मू में पार्टनरशिप के तहत 'एप्पल टूर एंड ट्रैवल्स' चलाने वाले 50 वर्षीय अमनीश शर्मा ने कहा कि उनकी बुकिंग में 70 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा, "हम हाई कैटगरी के पर्यटकों को एसी कैब की सुविधा उपलब्ध कराते हैं। हम खुश थे कि व्यापार में तेजी आने लगी है, लेकिन अब सब कुछ अचानक खत्म हो गया है। केवल एक दिन में हमारी 70 फीसदी बुकिंग रद्द हो गई है। बिहार के पटना से 10 परिवार के सदस्यों के साथ आए 46 साल के पर्यटक सुरेश कुमार ने बताया कि वे माता वैष्णो देवी के दर्शन करने गए थे और पहलगाम जाने की योजना बना रहे थे लेकिन अब वहां नहीं जा रहे। उन्होंने कहा, "कोई पागल ही होगा जो वहां जाने के बारे में अभी सोच सकता है।*

अमरनाथ यात्रा पर केंद्र सरकार से खास अपील

ऑल जम्मू होटल्स एंड लॉज एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रजीत खजूरिया ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले से आगामी अमरनाथ यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा, "मैं केंद्र से जोरदार अपील करता हूं कि आगामी तीर्थयात्रा को सेना को सौंप दिया जाए ताकि लोगों में कोई डर न रहे।

सुशील नथानियल की पार्थिव देह आते ही शोक में डूबा पूरा शहर

सीएम ने पुष्पांजलि अर्पित की, एलआईसी शाखा में कार्यरत थे

संवाददाता ● इंदौर

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसारन घाटी में मंगलवार दोपहर 2:45 बजे हुए आतंकी हमले में जिन 27 लोगों की दर्दनाक मौत हुई, उनमें इंदौर के वीणा नगर निवासी सुशील नथानियल भी शामिल हैं। वे अपनी पत्नी जेनिफर, बेटे आस्टन और बेटी आकांक्षा के साथ चार दिन पहले ही कश्मीर घूमने गए थे। सुशील आलीराजपुर स्थित एलआईसी की सैटेलाइट शाखा में कार्यरत थे। एडिशनल पुलिस कमिश्नर (कानून व्यवस्था) अमित सिंह ने सुशील की मौत की पुष्टि की है। जैसे ही उनकी पार्थिव देह इंदौर पहुंची तो पूरा शहर गमगीन हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एयरपोर्ट पर पार्थिव देह पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ ही शोकाकुल परिवारजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की।

मुख्यमंत्री के मिलते ही शोक में डूबे परिजन फूट-फूट कर रो पड़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिजनों को दिलासा दिलायी और कहा कि दुख और शोक की इस घड़ी में न केवल प्रदेश अपितु पूरा देश उनके साथ है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को धैर्य प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं बाबा महाकाल से कामना करता हूं कि सुशीलजी को अपने चरणों में स्थान दें। आतंकी हमला पाकिस्तान की कायराना हरकत है। पाकिस्तान और उसके पिछलग्गुओं को इसका जवाब देने के लिए पूरा देश एकजुट है और हमारी सरकार भी बहुत अच्छे से प्लानिंग करके आगे बढ़ रही है। हम सब बाबा महाकाल से कामना करेंगे कि आने वाले समय में ऐसी कोई कायराना हरकत न हो।

सीएम बोले- सेना के सामने होते तो चीथड़े उड़ जाते

मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व सांसद वीडी शर्मा ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर मुख्यमंत्री यादव बोले- आतंकवादी डरपोक थे, जिन्होंने निहत्थे व बेकसूर पर्यटकों पर गोलियां बरसाईं। अगर वे हमारी फौज के सामने आते तो उनके चीथड़े उड़ जाते। कायर आतंकियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। सीएम ने पैर में गोली लगने से घायल सुशीलजी की बेटी आकांक्षा से भी पूरे घटनाक्रम की विस्तार से जारी ली और उसे ढाढ़स बंधाया। उन्होंने बेटे और सुशीलजी की पत्नी से भी बातचीत कर शोक संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, दीपक जैन टीनू, विधायक रमेश मेंदोला, मालिनी गौड़, जीतू जिराती, कांग्रेस के सुरजीत सिंह, पिंटू जोशी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। रमेश मेंदोला शोकसंतप्त परिवार से मिलने उनके निवास पर भी गए। उन्होंने परिवार को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उनके साथ एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर भी थे।

मनहूस खबर मिली तो होश उड़ गए

सुशील के मामा के बेटे संजय कुमरावत अपने जज्बातों पर काबू नहीं रख सके और फूट-फूटकर रोने लगे। उन्होंने बताया कि मेरा दोस्त जैसा भाई चला गया। भैया-भाभी और उनके दोनों बच्चे जम्मू-कश्मीर घूमने गए थे। इसकी जानकारी घरवालों को नहीं थी। सोमवार रात करीब 8 से 9 बजे के बीच दिल दहला देने वाली खबर मिली, जब भतीजे ऑस्टिन का फोन आया। वह बेहद परेशान था। फोन पर ही इतना ज्यादा रो रहा था कि बोल भी नहीं पा रहा था। दो बार फोन कट गया, लेकिन तीसरी बार जब उसने बात की तो बताया कि पिता सुशील को आतंकवादियों ने गोली मार दी है। बहन आकांक्षा के पैर में भी गोली लगी है। मां-बेटा किसी तरह बच पाए हैं। इतना सुनते ही पूरे परिवार के होश उड़ गए।

टीवी में ही देखा था आतंकी हमला

एयरपोर्ट पर सुशीलजी की पार्थिव देह लेने पहुंचे परिजनों ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हमारी दुख की घड़ी में सभी लोग साथ हैं। अभी तक हमने केवल टीवी में ही देखा था कि ऐसे आंतकी हमले भी होते हैं। आज पहली बार हमारे परिवार के साथ ऐसा आतंकवादी हमला हुआ है। हमारे लिए यह सहन करना बहुत मुश्किल था। जब से हमें यह खबर मिली है, तब से हम न जाने कहां–कहां संपर्क कर रहे हैं। भतीजी ने बताया कि सुशीलजी काफी अच्छे और बेहद मिलनसार थे। वे बहुत ज्यादा धार्मिक थे और सभी से काफी प्यार करते थे। इतना कहते हुए वो काफी भावुक हो गईं और फिर कुछ बोल नहीं पाईं।

धर्म पूछकर किया हमला

सुशील के भाई विकास ने घटना का दिल दहला देने वाला विवरण बताया। उनके अनुसार हमले के दौरान सुशील ने पत्नी जेनिफर को छिपा दिया और खुद सामने आकर खड़े हो गए। अपनी जान देकर उन्होंने पत्नी की जान बचा ली। जेनिफर खातीपुरा के सरकारी स्कूल में टीचर हैं। वहीं घायल आकांक्षा सूरत में बैंक ऑफ बड़ौदा में कार्यरत हैं।

परिवार मूल रूप से जोबट का

हमले के दौरान सुशील का बेटा आस्टन और पत्नी जेनिफर किसी तरह सुरक्षित बच निकले। परिवार मूल रूप से जोबट का रहने वाला है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, हमले के बाद सेना और पुलिस की मदद से जेनिफर और आकांक्षा को अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि आस्टन पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस हृदयविदारक घटना ने परिवार को झकझोरकर रख दिया है।

पुलिस कर रही समन्वय

सेना ने इंदौर पुलिस को मृतकों व घायलों की जो सूची भेजी थी, उसके आधार पर एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह ने बताया कि आकांक्षा को पैर में गोली लगी है और जेनिफर हमले से बचने के दौरान गिरकर घायल हो गई हैं। दोनों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। प्रशासन पीड़ित परिवार से लगातार संपर्क में है और हरसंभव मदद की जा रही है।

रोते हुए बेटा बोला- पापा ने जैसे ही कहा 'ईसाई हूं' तो बरसा दीं दनादन गोलियां

सुशील के छोटे भाई की पत्नी जैमा विकास ने मीडियाकर्मियों को बताया कि पूरा परिवार एक साथ कुछ समय बिताने के लिए कश्मीर गया था। हादसे के बाद बेटे ऑस्टिन ने फोन पर ही रोते-रोते पूरी घटना बताई। उसने बताया कि आतंकियों ने पापा से पूछा कि वो किस धर्म के हैं। जब परिवार चुप रहा तो आतंकी ने फिर पूछा- कलमा पढ़ सकते हो? इस पर सुशील ने परिवार को वहां से जाने के लिए कहा। इसके बाद आतंकी ने उन्हें घुटनों पर बैठने को कहा, लेकिन जब पापा मुस्लिमों की तरह घुटनों पर नहीं बैठ सके तो आतंकियों ने पूछा कि किस धर्म के हो। जैसे ही पापा बोले 'ईसाई हूं' तो आतंकियों ने गोलियों की बौछार कर दी। हमले में आकांक्षा के पैर में भी गोली लगी। फायरिंग के बाद आतंकी भाग निकले।

गोली खाने से कारोबारी का परिवार बाल-बाल बचा

ज म्मू-कश्मीर के पहलगाम की बैसारन घाटी में मंगलवार दोपहर करीब 2:45 बजे बड़ा आतंकी हमला हुआ। जिस समय यह घटना घटी, उस वक्त महू के रहने वाले होटल और प्रॉपर्टी कारोबारी सुमित शर्मा भी अपने परिवार के साथ वहीं पर मौजूद थे। वे महज 15 मिनट पहले ही अपने परिवार सहित वहां से निकल गए थे।

सुमित शर्मा ने बताया कि वे घटना स्थल से लगभग तीन किमी दूर एक स्थान पर रुके हुए हैं। हमले के तुरंत बाद प्रशासन ने सभी पर्यटकों को श्रीनगर भेज दिया और घाटी के सभी होटल खाली कराए गए। हमले के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया और सर्चिंग ऑपरेशन शुरु कर दिया। सुमित शर्मा ने बताया कि पहले बताया गया कि चार से पांच लोग घायल हुए हैं, लेकिन बाद में यह संख्या बढ़कर 20 से 25 तक पहुंच गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सीआरपीएफ और सेना के जवानों की तैनाती कर दी गई है। पर्यटकों को सुरक्षात्मक तरीके से बाहर निकाला जा रहा है। पहलगाम में रुके पर्यटकों को एक कॉनवॉय बनाकर घाटी से सुरक्षित निकाला जाएगा।

डर का माहौल, हालात सामान्य होने का इंतजार

इलाके में अब भी सेना और अन्य सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। हेलिकॉप्टर की मदद से भी तलाशी ली जा रही है। सुमित शर्मा ने यह भी बताया कि घाटी में डर का माहौल है। उनका रिटर्न टिकट 25 मई का है, लेकिन फिलहाल वे घाटी से तभी निकल पाएंगे, जब हालात सामान्य होंगे। महू में उनके परिवार वालों की चिंता भी बढ़ गई है। लगातार फोन आ रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया है कि वे और उनका परिवार पूरी तरह सुरक्षित हैं और घाटी में सेना का पूर्ण नियंत्रण है। शर्मा अपने पत्नी और दो बच्चों के साथ तीन दिन पहले कश्मीर घूमने आए थे।

कहीं पुतला दहन तो कहीं रैली, इस दौरान कई के बह निकले आंसू

लोगों में जबर्दस्त गुस्सा, कई संगठन उतरे सड़कों पर

संवाददाता ● इंदौर

ज म्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के विरोध में बुधवार को शहर में जनता का गुस्सा फूटा। कहीं पुतला दहन किया गया तो कहीं पर रैली निकाली गई। बाल विनय मंदिर स्कूल में छात्रों ने मरने वाले नागरिकों को श्रद्धांजलि दी और आतंकवाद पर खुलकर अपने विचार रखे। इस दौरान कई छात्रों की आंखें नम हो गई।

छत्रीबाग धर्म रक्षा समिति के तत्वावधान में लोगों ने आतंकवाद के खात्मे का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया। यह प्रदर्शन छत्रीबाग वेंकटेश मंदिर चौराहे पर आयोजित हुआ। इस दौरान उपस्थित लोगों ने 'आतंकवादी मुर्दाबाद' और 'आतंकवादियों को फांसी दो' जैसे नारे लगाए और 'जय-जय सियाराम' का जयघोष करते हुए आतंक के विरुद्ध आक्रोश व्यक्त किया। भाजपा नगर महामंत्री पिछड़ा मोर्चा, इंदौर महानगर जीतू कुशवाह ने बताया कि यह पुतला दहन केंद्र सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग करने के उद्देश्य से किया गया है। प्रदर्शन में आनंद बाथम, मनीष सोलंकी, मोहित शर्मा, नितिन निगम, विजय तिवारी समेत अनेक लोग शामिल हुए।

सर्राफा एसोसिएशन ने भी दी श्रद्धांजलि : सर्राफा एसोसिएशन की ओर से भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। देश का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर के पहलगाम में बीते दिन आतंकवादियों ने कई लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी जिसमें इंदौर के एक बैंक मैनेजर की भी मौत हो गई घटना के बाद पूरा देश आक्रोशित है कहीं

आतंकवादियों का पुतला दहन हो रहा है तो कहीं मृत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है जहां इसी कड़ी में इंदौर सराफा एसोसिएशन के पदाधिकारी ने सराफा चौराहा स्थित बुधवार को श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया जहां मृत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आतंकवादियों को सख्त सजा देने को लेकर गुहार लगाई गई। रात्रिकालीन चाट चौपाटी एसोसिएशन के राम गुप्ता,संजय अग्रवाल ने बताया इस कायराना घटना की वेदना हमारे मन में भी है। श्रद्धांजलि स्वरूप रात्रिकालीन चौपाटी पर दस मिनिट का ब्लैकआउट रखा गया।

जयस छात्र संगठन

होलकर साइंस कॉलेज में जयस छात्र संगठन ने 27 पर्यटकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस हृदयविदारक घटना के प्रति संगठन ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इस कायरतापूर्ण हमले की कड़े शब्दों में निंदा की इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भारी संख्या में छात्रों ने मौन यात्रा निकली एवं सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। जयस छात्र संगठन ने इस दौरान देश की एकता, अखंडता और शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। सभा में पवन अहिरवार जिलाध्यक्ष, जयस छात्र संगठन विशाल गांगले – जिला प्रभारी, जयस छात्र संगठन निर्मल बघेल – जिला सचिव, जयस छात्र संगठन रोहित अहिरवार होलकर अध्यक्ष जयस छात्र संगठन आशीष सिंह उपाध्यक्ष भरत मोलवा NSUI प्रतिनिधि आयुष यादव , विकास अहिरवार तथा अन्य महाविद्यालयीन छात्र उपस्थित थे।

आतंकवाद मुर्दाबाद के नारे

भगवा ऑटो रिक्शा चालक संघ संबंध भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि कश्मीर के पहलगाम में जो 26 हिंदुओं की जाति और धर्म पूछ कर गोली मारकर हत्या कर दी गई उसके विरोध में भगवा ऑटो रिक्शा चालक संघ ने आतंकवाद का पुतला नगर निगम चौराहे पर जलाया। साथ ही पाकिस्तान मुर्दाबाद आतंकवाद मुर्दाबाद के नारे लगाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी से अपील की गई कि सबसे पहले पाकिस्तान से आ रहे हैं इन आतंकवादियों को समाप्त किया जाए। पुतला दहन कार्यक्रम में भगवा ऑटो रिक्शा चालक संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष केदार यादव विधिक सलाहकार अनिल कुमार साहू उपाध्यक्ष केशव शर्मा दिनेश क्षीरसागर महामंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया मंत्री रामकृष्ण प्रजापति संजय साहू सुनील मेहता लाल सिंह कीर बड़ी संख्या में ऑटो चालक आक्रोश के साथ उपस्थित थे

पत्थर-दिल गोएबेल्स दंपती, जिसने अपने छह बच्चों को मारकर की थी खुदकुशी

जर्मनी के चांसलर और तानाशाह हिटलर ने जब 1945 में आत्महत्या कर ली थी, तब उसके बहुत सारे सहयोगियों-समर्थकों ने भी जान देने की ठान ली थी। इनमें से एक था हिटलर का दायां हाथ माना जाने वाला गोएबेल्स। झूठ बोलकर हिटलर की लोकप्रियता बनाए रखने में गोएबेल्स का कोई सानी नहीं था, लेकिन इसने आत्महत्या से पहले जो क्रूरता की, वह रूह कंपा देने वाली थी। जोरकिम फेस्ट की पुस्तक ह्यइनसाइड हिटलर्स बंकरह्न में इस खून खराबे से भरे पल का रोंगटे खड़े कर देने वाला वर्णन मिलता है। इस किताब में यह साफ-साफ लिखा है कि किस प्रकार गोएबेल्स दंपती ने आत्महत्या से पहले क्रूरतापूर्वक अपने छह मासूम बच्चों को मौत की नींद सुला दिया। जर्मनी के लोगों में हिटलर के प्रति समर्पण की घुट्टी पिलाने वाले गोएबेल्स का अंत ऐसा हुआ, जिसे पूरी दुनिया में आत्महत्या के क्रूरतम उदाहरणों में गिना गया। गोएबेल्स और उसकी पत्नी मैग्डा गोएबेल्स ने अपने ही बच्चों को मारने की साजिश रचनी शुरू की। इस पत्थर-दिल दंपती ने फैसला किया कि वह पहले बच्चों को गहरी नींद में ला देंगे और उसके बाद उन्हें एक-एक कर मौत के घाट उतार देंगे। गोएबेल्स ने डॉक्टर हेलमट गुस्ताव कुंज से कहा कि वह छह बच्चों को नींद का इंजेक्शन लगा दे। इंजेक्शन के बाद बच्चे गहरी नींद में सो गए।

हिटलर का करीबी और खास डॉक्टर लुडविग स्टंपफेगर इन भयावह तरीके से हो रही मौतों का गवाह था। उसकी मौजूदगी और देखरेख में ही गोएबेल्स के बच्चों के लिए साइनाइड जैसे खतरनाक जहर का इस्तेमाल होना था, लेकिन वह तमाशबीन बना रहा। डॉक्टर का काम जान बचाना होता है, लेकिन हिटलर-गोएबेल्स की नफरतवादी नीतियों ने डॉक्टर लुडविग को एक मौन हत्यारे में बदल दिया था। बहरहाल, डॉक्टर लुडविग की उपस्थिति में ही मां मैग्डा ने बच्चों के मुंह में साइनाइड डालनी शुरू की। लेकिन तभी उसकी एक बड़ी बेटी हेल्गा ने इसका विरोध शुरू कर दिया। वह इस सामूहिक हत्या और आत्महत्या के पूरी तरह खिलाफ होकर नाराजगी जाहिर करने लगी। नींद के इंजेक्शन के बावजूद हेल्गा में जितना होश बचा था, उसी में उसने पूरी ताकत से अपनी रक्षा करनी चाही। वह अपने बचाव में जोर-जोर से छटपटाने लगी, लेकिन उसे बहुत जोर से पकड़ा गया और उसकी मां ने ही उसके मुंह में साइनाइड डाल दिया। पल भर में ही साइनाइड से हेल्गा अन्य बच्चों की तरह मर गई, लेकिन उसके शरीर पर पड़े खरोंच के निशान यह बता रहे थे कि वह जीना चाहती थी।

नींद के इंजेक्शन के बावजूद हेल्गा में जितना होश बचा था, उसी में उसने पूरी ताकत से अपनी रक्षा करनी चाही। वह अपने बचाव में जोर-जोर से छटपटाने लगी, लेकिन उसे बहुत जोर से पकड़ा गया और उसकी मां ने ही उसके मुंह में साइनाइड डाल दिया। पल भर में ही साइनाइड से हेल्गा अन्य बच्चों की तरह मर गई, लेकिन उसके शरीर पर पड़े खरोंच के निशान यह बता रहे थे कि वह जीना चाहती थी।

अपने छह बच्चों हेल्गा, हिल्डा, हेलमट, होल्डे, हेडा और हीडे की लाशों के बीच खड़ी उसकी मां मैग्डा किसी मूर्ति की तरह जड़ हो गई थी। साइनाइड की बूंदों के गले में उतारे जाने के बाद पलभर में मौत की नींद सो जाने वाले बच्चों की तरफ देख रही मैग्डा अपनी जगह से नहीं हिल पा रही थी। बाद में जब वह अपने बंकर में गई, तो सामने खड़े पति गोएबेल्स की ओर देखा। गोएबेल्स ने इशारों में पूछा कि क्या हुआ। मैग्डा उसके नजदीक जाकर काम हो जाने की बात कहते ही फफक-फफककर रोने लगी। मैग्डा और गोएबेल्स ने भी चखा साइनाइड जो साइनाइड गोएबेल्स के छह बच्चों की मौत का कारण बना, अब उसका स्वाद चखने के लिए खुद गोएबेल्स और उसकी पत्नी तैयार थे। गोएबेल्स को पता था कि जर्मनी में हिटलर की तानाशाही के अंत के बाद अब उसके पास को कोई रास्ता नहीं बचा था। रात में गोएबेल्स और उसकी पत्नी मैग्डा ने बंकर में ही साइनाइड निगल लिया। कुछ ही पल में दोनों मौत के आगोश में समा गए। बाद में उन दोनों की लाशों को ठीक उसी तरह आग के हवाले किया गया, जैसे हिटलर के शव को किया गया था।

हिटलर हुआ राख, लेकिन गोएबेल्स का शव रहा अधजला सोवियत सैनिकों की जीत से भयभीत हिटलर ने आत्महत्या के बाद खुद को जला देने का हुक्म दिया था। हिटलर के शव को जला दिया गया, लेकिन उसके बाद पेट्रोल नाम मात्र का ही बचा था। इतने कम पेट्रोल से गोएबेल्स को पूरी तरह जलाना असंभव था, इसलिए उसका शव अधजला ही रह गया।

संत वचन

अक्सर इन सभी के कारण अपने मंत्रालय के दौरान बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। यही कारण है कि प्रभु ने उन फरीसियों की आलोचना की और उन्हें उनके व्यवहार के लिए फटकार लगाई, जिसे उन्होंने इस प्रकार उजागर किया कि यह उनके पूर्वजों और पूर्वजों द्वारा दिखाए गए व्यवहार से मिलता-जुलता था, जो प्रभु और उनकी सच्चाई पर भरोसा करने के बजाय अपनी इच्छाओं, अपनी समझ और चीजों की व्याख्या के अनुसार चलने की उनकी जिद थी। उनका अभिमान और अहंकार, महत्वाकांक्षाएं और इस दुनिया की इच्छाएं उन्हें गलत रास्ते पर ले गईं और उन्हें प्रभु से और भी दूर कर दिया, क्योंकि उन्होंने प्रभु के लिए अपने दिल और दिमाग के दरवाजे बंद कर दिए थे। यह वह रवैया है जो प्रभु नहीं चाहते कि हममें से कोई भी रखे, ताकि हम यह न सोचें कि हमारे तरीके और पद्धतियां बेहतर हैं या हम अपने आस-पास के लोगों की तुलना में किसी तरह बेहतर और श्रेष्ठ हैं।

जिंदगी बड़ी भी होनी चाहिए और लंबी भी!

1971 में रिलीज फिल्म आनंद का डायलॉग- ह्यजिंदगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहीं हम सभी को याद होगा। राजेश खन्ना के उस संवाद ने कई लोगों को छुआ होगा क्योंकि तब मेडिकल फील्ड उतना आधुनिक नहीं था, जितना आज है। चिकित्सा क्षेत्र में पिछले 50 वर्षों में हुई प्रगति के चलते कभी जानलेवा रही बीमारियां अब गंभीर की श्रेणी में आ गई हैं। दूसरी ओर मोटापा, मधुमेह और नशे की लत जैसी स्थितियां बढ़ी हैं, इसका कारण बाहर का खाना, विशेषकर जंक फूड का अत्यधिक सेवन हो सकता है। इसलिए कई लोगों के लिए सक्रिय व आजाद बने रहना चुनौतीपूर्ण हुआ है। और हम एक महत्वपूर्ण सवाल पूछने पर मजबूर हैं कि ह्यक्या हम हेल्दी तरीके से उम्रदराज (हेल्दी एजिंग) हो रहे हैं?ह्न इसका जवाब पाने के लिए हमें इसका अर्थ समझना होगा।

शोधकताओं के अनुसार हेल्दी एजिंग का मतलब 70 वर्ष की उम्र तक अच्छे संज्ञानात्मक, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के साथ कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग जैसी कोई गंभीर बीमारी नहीं होना है। नेचर मेडिसिन में प्रकाशित अध्ययन- (हार्वर्ड, कोपेनहेगन, मॉन्ट्रियल के शोधकताओं द्वारा किया) ने बताया कि स्वास्थ्यवर्धक जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक क्या हो सकते हैं। अध्ययन में 30 सालों तक एक लाख लोगों के हेल्थ डेटा का आकलन किया और बताया कि कैसे खानपान का पैटर्न न सिर्फ जीवन अवधि प्रभावित करता है, बल्कि ये भी बताता है कि लोग कितने अच्छे से उम्रदराज हो रहे हैं। उन्होंने पाया कि जो लोग संतुलित आहार लेते थे, जिसमें प्लांट बेस्ड फूड व डेयरी उत्पाद अधिक व एनिमल प्रोटीन कम थे, उनमें हेल्दी एजिंग की संभावना 86% अधिक थी। स्टडी का निष्कर्ष है कि ज्यादा अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड खाने से वृद्धावस्था में शारीरिक व संज्ञानात्मक स्वास्थ्य खराब होता है। इसमें ये भी शामिल था कि आप रात का खाना कब खाते हैं, कितना घर का बना खाना खाते हैं, कितना व्यायाम करते हैं।

शोधकताओं ने उन आहारों को उच्च स्कोर दिए जो ब्रेन-फंक्शन को बढ़ावा देते हैं और एंटी-इंफ्लामेशन लाभ होते हैं। याद रखें, वृद्धावस्था में अधिकांश दर्द शरीर के अंदर इंफ्लामेशन के कारण होते हैं। स्पेन का एक अन्य असंबंधित शोध- जो कि इस महीने जर्नल जामा नेटवर्क ओपन में प्रकाशित हुआ है- ये तथ्य उजागर करता है कि वेट लॉस के लिए लेने वाली डाइट के अवांछित दुष्प्रभाव हो सकते हैं- कैलोरी की कमी हड्डियों की सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। मेनोपॉज के बाद महिलाएं अगर शारीरिक रूप से सक्रिय रहते हुए संतुलित भोजन करें, तो बोन डेनसिटी के नुकसान को रोक सकते हैं, जो कि हड्डी के एक क्षेत्र जैसे कि हिप बोन, स्पाइन और गले आदि में कैल्शियम और अन्य मिनरल्स की डेनसिटी से जुड़ा है। हड्डियों में उच्च घनत्व का मतलब है कि मिनरल्स अधिक कसकर पैक हैं, जो मजबूत हड्डियों का संकेत देते हैं और टूट-फूट की संभावना कम होती है। 6,874 लोगों पर किए गए इस शोध ने उन्हें प्रतिदिन 45 मिनट चलने, सप्ताह में दो दिन रेजिस्टेंस ट्रेनिंग और लचीलेपन को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

एडिट.नोट

साथ ही, साबुत अनाज, सब्जियां, फल, दालें और नट्स का सेवन करने पर जोर दिया गया, जबकि प्रोसेस्ड फूड, सफेद ब्रेड, चीनी और परिष्कृत अनाज से बचने की सलाह दी गई।याद रखें, चिकित्सा और विज्ञान ने पहले ही जानलेवा बीमारियों को क्रोनिक बीमारियों में बदलने में अपनी भूमिका निभाई है। यह नए रोगों से लड़ने के तरीके खोजने में व्यस्त है जो समय-समय पर अपना बदसूरत चेहरा दिखाते रहते हैं। अब हमारी बारी है कि हम स्वस्थ खाने की आदतों के साथ उन क्रोनिक बीमारियों को अपने जीवन में प्रवेश करने से रोकें। जीभ कुछ भी स्वादिष्ट मांग सकती है, लेकिन जीभ को नियंत्रित करने से इंफ्लामेशन कम होगी, मेटाबॉलिज्म में सुधार होगा और गट हेल्थ बेहतर होगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि आहार की आदतें हेल्दी एजिंग से गहराई से जुड़ी हुई हैं। फंडा यह है कि थोड़ा ठहरकर खुद से पूछें, ह्यक्या मैं हेल्दी एजिंग की तरफ बढ़ रहा हूं?ह्न यदि नहीं, तो जीवन को न केवल लंबा बल्कि सुंदर बनाने के लिए तुरंत सुधारात्मक कदम उठाएं।

स्वतंत्र - लेखक

टोक्यो से नई दिल्ली तक ट्रम्प की जोखिम भरी ट्रेड डिप्लोमेसी ने नए ग्लोबल ऑर्डर की नींव रखी

इस हफ्ते राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जापान के इकोनॉमिक रिवाइटलाइजेशन मिनिस्टर रयोसेई अकाजावा से मुलाकात की और रेसिप्रोकल यानी जवाबी टैरिफ पर बातचीत शुरू की। इस मुद्दे पर यह उनकी पहली आमने-सामने की मीटिंग थी। बातचीत अगले हफ्ते भी जारी रहेगी। इसका नतीजा सिर्फ जापान के लिए नहीं, बल्कि हर उस शख्स के लिए अहम होगा, जो ये समझना चाहता है कि नया ग्लोबल ऑर्डर कैसा होगा।

ट्रम्प और जापानी टीम के बीच जो होगा, उससे तय होगा कि आगे क्या होने वाला है। ट्रम्प जानते हैं कि दोनों देशों को थोड़ी-बहुत तकलीफ झेलनी होगी, क्योंकि बदलाव आसान नहीं होते। वे चाहेंगे कि सभी देश अपनी करेंसी (मुद्रा) की वैल्यू बढ़ाएं ताकि डॉलर के मुकाबले उसका रेट ठीक हो सके। जापानी येन पहले ही 159 से 143 प्रति डॉलर तक मजबूत हो चुका है। क्या इसमें और सुधार की जरूरत है? शायद 10% और?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 16 अप्रैल को जापान के इकोनॉमिक रिवाइटलाइजेशन मिनिस्टर रयोसेई अकाजावा (बाएं) से व्हाइट हाउस में मुलाकात की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 16 अप्रैल को जापान के इकोनॉमिक रिवाइटलाइजेशन मिनिस्टर रयोसेई अकाजावा (बाएं) से व्हाइट हाउस में मुलाकात की थी।ट्रम्प यह भी चाहेंगे कि जापान जैसे देश अमेरिका में कुछ खास इंडस्ट्रीज में निवेश करें। जापान के मामले में वे चाहेंगे कि टोयोटा जैसी कंपनियां अमेरिका में अपनी फैक्ट्री और सप्लायर नेटवर्क बढ़ाएं। अन्य कंपनियों और उत्पादों को भी अलग से चिह्नित किया जाएगा। उनके समझौते का फोकस यह होगा कि अमेरिका और जापान मिलकर सस्ती और अच्छी क्वालिटी की चीजें बना सकें, खासतौर से चीन के मुकाबले में। चीन को देखें, तो वह बड़े पैमाने पर बेहद कम दाम में चीजें बनाता है। इसमें सब्सिडी और सस्ता एक्सचेंज रेट बड़ी वजह है। दोनों देश मिलकर चीन को पीछे छोड़ सकते हैं। हालांकि, ये आसान नहीं होगा।चीन की सब्सिडी और सस्ते एक्सचेंज रेट की वजह से वह ज्यादा सस्ती चीजें बनाता है। इसलिए ट्रंप का इरादा है कि जापान और अमेरिका साथ मिलकर चीन से मुकाबला करें। मकसद चीन को ग्लोबल ट्रेड में पीछे छोड़ना है। ट्रम्प की नई पॉलिसी के मुताबिक हर देश पर एक ही तरह का टैक्स नहीं लगेगा। यह प्रोडक्ट के हिसाब से तय होगा। ट्रम्प का मंत्र है: ₹पारस्परिकता, पारस्परिकता!₹ यानी जैसा व्यवहार आप करेंगे, वैसा ही जवाब मिलेगा। इसका मतलब है कि हर देश के साथ इस पैटर्न में थोड़ा फर्क हो सकता है। अगर ट्रेड बैलेंस हो और दोनों देश एक-दूसरे से बराबरी का व्यवहार करें, तो दोनों को फायदा होगा और उनका बाजार हिस्सेदारी भी बढ़ेगा। आपसी समझौतों के माध्यम से संतुलित व्यापार, साझा विकास की दौड़ के लिए रास्ता खोलता है। इससे इन दोनों देशों को चीन के साथ ट्रेड वॉर में अपना बाजार हिस्सा बढ़ाने में मदद मिल सकती है। यह एक नए तरह के ग्लोबलाइजेशन की शुरूआत है। ट्रम्प का मंत्र है- जैसा व्यवहार आप करेंगे, वैसा ही जवाब मिलेगा। इसका मतलब है कि हर देश के साथ इस पैटर्न में थोड़ा फर्क हो सकता है। ट्रम्प का मंत्र है- जैसा व्यवहार आप करेंगे, वैसा ही जवाब मिलेगा। इसका मतलब है कि हर देश के साथ इस पैटर्न में थोड़ा फर्क हो सकता है। जापान और अमेरिका को राजनीतिक और सैन्य सहयोगियों के रूप में एक-दूसरे की जरूरत है। वहीं, चीन का खतरा साफ दिखाई दे रहा है। चीन ऑस्ट्रेलिया, फिलीपींस को घेरने की कोशिश कर रहा है, और ताइवान को लगभग घेर चुका है। लिहाजा, जापान के लिए कुछ गोपनीय समझौते भी हो सकते हैं।

मैं गलत हो सकता हूं, लेकिन मैंने ट्रम्प को लंबे समय तक देखा है। मेरा मानना है कि ट्रम्प एक निमार्ता हैं। वे एक नए ग्लोबल सिस्टम का निर्माण करेंगे, जो चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से मुकाबला करेगा। उनका काम दिखाई देने लगा है।भारत की स्थिति अभी बहुत अच्छी है।मुझे लगता है कि ट्रम्प भारत के साथ भी इसी तरह की डील करेंगे, लेकिन एक फर्क रहेगा। वे चाहेंगे कि भारत चीन के व्यापार खतरे के खिलाफ अरएअठ देशों में ज्यादा सहयोग करे, और अगर इस क्षेत्र में कोई सैन्य संघर्ष हो, तो उसमें भी साथ दे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल फरवरी में अमेरिकी दौरे पर गए थे। तस्वीर उसी वक्त की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल फरवरी में अमेरिकी दौरे पर गए थे। तस्वीर उसी वक्त की है। इंडस्ट्री में मेरे जानने वाले लोग बताते हैं कि मोदी सरकार दिन-रात तैयारी कर रही है कि ट्रेड की बातचीत प्रोडक्ट-दर-प्रोडक्ट और इंडस्ट्री-दर-इंडस्ट्री हो।

बिजनेस

शेयर बाजार लगातार सातवें दिन बढ़त के साथ बंद; सेंसेक्स 521 अंक चढ़ा, निफ्टी 24300 पार

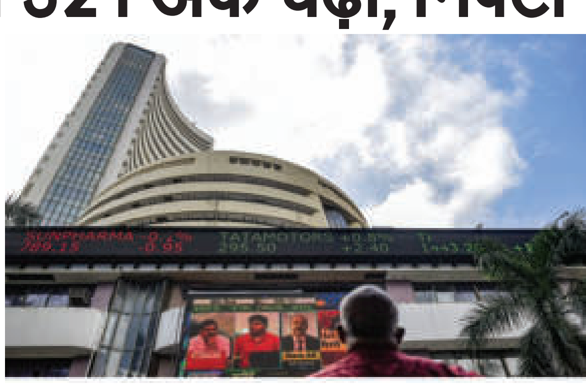

नई दिल्ली। शेयर बाजारों के प्रमुख सूचकांक लगातार सातवें दिन बढ़त के साथ बंद हुए। इस दौरान, आईटी और ऑटो शेयरों में मजबूत बढ़त के कारण बेंचमार्क सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 520 अंक उछलकर चार महीने में पहली बार 80,000 के ऊपर पहुंच गया।30 शेयरों वाला सेंसेक्स 520.90 अंक या 0.65 प्रतिशत बढ़कर 80,116.49 अंक पर बंद हुआ जो 18 दिसंबर के बाद का उच्चतम बंद स्तर है। दिन में कारोबार के दौरान यह 658.96 अंक या 0.82 प्रतिशत बढ़कर 80,254.55 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 161.70 अंक या 0.67 प्रतिशत बढ़कर 24,328.95 अंक पर पहुंच गया। विश्लेषकों ने कहा कि विदेशी पूंजी प्रवाह और सकारात्मक वैश्विक रुझानों के बाद बाजार में खरीदारी बढ़ी।सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक में सबसे अधिक 7.72 प्रतिशत की वृद्धि दिखी। कंपनी ने मार्च तिमाही 2024-25 के लिए समेकित शुद्ध लाभ 8.1 प्रतिशत बढ़कर 4,307 करोड़ रुपये होने की जानकारी दी है। कंपनी के अनुसार, उसे मुख्य रूप से लगभग 25,500 करोड़ रुपये के कुल अनुबंध मूल्य वाले बड़े सौदों के कारण फायदा हुआ।

टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, इंफोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा स्टील, भारती एयरटेल और मारुति भी प्रमुख लाभ में रहीं। बैंकिंग शेयरों में हालिया बढ़त के बाद बिकवाली दिखी। एचडीएफसी बैंक का शेयर 1.98 प्रतिशत की गिरावट के साथ सेंसेक्स के शेयरों में सबसे अधिक नुकसान उठाने वाला शेयर रहा।कोटक महिन्द्रा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, आईटीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट भी पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक, टोक्यो का निक्केई 225 और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। शंघाई एसएसई कंपोजिट मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के बाजार काफी तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। मंगलवार को अमेरिकी बाजारों में जोरदार उछाल आया। नैस्डैक कंपोजिट में 2.71 प्रतिशत की तेजी आई, डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 2.66 प्रतिशत की उछाल आई और एसएंडपी 500 में 2.51 प्रतिशत की तेजी आई। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 1,290.43 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी खरीदी। जानकारों के अनुसार, ₹भारतीय इक्विटी बाजार ने बुधवार को अपनी सकारात्मक गति बनाए रखी। इस पर बेहतर तिमाही परिणामों का असर दिखा। हालांकि, हाल की तेज रैली के बाद वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में मुनाफावसूली दिखी। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ₹अमेरिका-चीन के बीच व्यापारिक तनाव कम होता दिख रहा है।

राज-काज

सरकार का एयरलाइंस को निर्देश ,श्रीनगर के लिए किराया न बढ़ाएं

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सरकार सुरक्षा और पीड़ित पर्यटकों की मदद के लिए अलर्ट मोड पर है। इस बीच नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइंस को श्रीनगर हवाई मार्ग पर किराया न बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। वहीं इंडिगो और एयर इंडिया ने श्रीनगर से मुंबई और दिल्ली के लिए चार अतिरिक्त उड़ाने संचालित करने का एलान किया है। इसके साथ ही एयरलाइंस ने टिकट रिशेड्यूलिंग और टिकट कैंसिलेशन चार्ज भी माफ कर दिया है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद दिल्ली में नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने सभी एयरलाइन ऑपरेटरों के साथ आपात बैठक की। इस दौरान उन्होंने सभी एयरलाइंस को श्रीनगर मार्ग पर हवाई किराये में इजाफा न करने के सख्त निर्देश दिए। एयरलाइंस को नियमित किराया बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। ताकि इस मुश्किल समय में किसी भी यात्री पर बोझ न पड़े।

10 लाख रुपये से अधिक की लग्जरी चीजों पर अब चुकाना होगा 1 प्रतिशत टीसीएस

नई दिल्ली। हैंडबैग, कलाई घड़ी, जूते और खेलकूद के कपड़े जैसे 10 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले लग्जरी सामानों पर अब एक प्रतिशत स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) लगेगा। आयकर विभाग ने 22 अप्रैल, 2025 से विलासितापूर्ण वस्तुओं की बिक्री पर 1 प्रतिशत की दर से टीसीएस लगाने से जुड़ी अधिसूचना जारी की है। यह उन चीजों पर लागू होगा जहां बिक्री का मूल्य 10 लाख रुपये से अधिक होगा। विलासिता से जुड़ी वस्तुओं पर वित्त अधिनियम, 2024 के तहत टीसीएस लगाने का एलान जुलाई 2024 के बजट में किया गया था।टीसीएस का भुगतान करने की जिम्मेदारी विक्रेता पर होती है, जिसे वह ग्राहकों से ही वसूलते हैं। यह टैक्स अधिसूचित वस्तुओं जैसे कलाई घड़ी, कला वस्तुएं जैसे पेंटिंग, मूर्तियां और प्राचीन चीजें, संग्रहणीय चीजें जैसे सिक्के और टिकट, नौका, हेलीकॉप्टर, लग्जरी हैंडबैग, धूप के चश्मे, जूते, उच्च श्रेणी के खेल परिधान व उपकरण, होम थिएटर सिस्टम और रेसिंग या पोलो के घोड़े आदि पर लागू होगा।नांगिया एंडरसन एलएलपी के टैक्स पार्टनर संदीप झुनझुनवाला के अनुसार यह अधिसूचना उच्च मूल्य वाली चीजों की निगरानी बढ़ाने और लग्जरी सामानों से जुड़े खंड में ऑडिट ट्रेल को मजबूत करने की सरकार की मंशा के तहत जारी की गई है। यह कर आधार का विस्तार करने और अधिक वित्तीय पारदर्शिता को बढ़ावा देने के व्यापक नीतिगत उद्देश्य का परिचायक है।उन्होंने बताया कि विक्रेताओं को अब टीसीएस प्रावधानों का समय पर अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। वहीं, अधिसूचित लग्जरी वस्तुओं के खरीदारों को ऐसी चीजें खरीदते समय और अधिक केवाईसी आवश्यकताओं और दस्तावेजीकरण का सामना करना पड़ेगा।झुनझुनवाला ने कहा, ₹हालांकि इस फैसले से लग्जरी सामानों से जुड़े क्षेत्र को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन इस फैसले से बेहतर नियामकीय निगरानी को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।₹इनमें 10 साल से ऊपर के बच्चे बैंक अकाउंट खोलकर उसे खुद ही ऑपरेट कर सकते हैं। इससे पहले प्इक ने इससे पहले अळट से पैसा निकालने के नियमों में भी बदलाव किया था। 1 मई से अळट से पैसा निकालने पर अब आपको ज्यादा चार्ज देना होगा।

वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की वृद्धि दर के अनुमान में कटौती, पाकिस्तान-बांग्लोदश पर कही गई यह बात

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के विकास अनुमान को 4 प्रतिशत घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया। वैश्विक आर्थिक कमजोरी और नीतिगत अनिश्चितता के बीच यह फैसला लिया गया है। विश्व बैंक ने अपने पिछले अनुमान में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था।विश्व बैंक ने साल में दो बार जारी की जाने वाली अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत में वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि निराशाजनक रही। इस दौरान निजी निवेश में धीमी वृद्धि हुई और सार्वजनिक पूंजीगत व्यय सरकारी लक्ष्यों को पूरा नहीं कर सके।टैक्सिंग टाइम्स के दक्षिण एशिया वृद्धि दर अपडेट में कहा गया है, ₹भारत में, विकास दर वित्त वर्ष 2024-25 के 6.5 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 में 6.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। ऐसा मौद्रिक सहजता और विनियामक सरलीकरण से निजी निवेश को होने वाले लाभ के वैश्विक आर्थिक कमजोरी और नीतिगत अनिश्चितता से प्रभावित की आशंका के कारण किया गया है।

इससे पहले, मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद के अनुमान को जनवरी के 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया था।विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि कर कटौती से निजी उपभोग को लाभ मिलने की उम्मीद है। सार्वजनिक निवेश योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से सरकारी निवेश को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन व्यापार नीति में बदलाव और वैश्विक विकास में मंदी के कारण निर्यात मांग पर अंकुश लगेगा।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ती अनिश्चितता के बीच दक्षिण एशिया की विकास से जुड़ी संभावनाएं कमजोर हुई हैं और इस कारण क्षेत्र के अधिकांश देशों में वृद्धि दर के अनुमान घटा दिए गए हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस और द्वितीय महिला उषा वेंस का आगरा आगमन पर स्वागत किया।

रायपुर में शोक की लहर...

आतंकियों ने पत्नी और बच्चों के सामने कारोबारी को मारी गोली मिरानिया का ससम्मान अंतिम संस्कार किया जायेगा

संवाददाता ● रायपुर

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के एक बिजनेसमैन को आतंकियों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। जम्मू-कश्मीर में दिवंगत हुए दिनेश मिरानिया की पत्नी, बेटी और बेटे ने घटना के बाद पहलगाम पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। बातचीत में आतंकवादियों के नापाक करतूतों और

क्रूरता की जानकारी दी। इस दौरान शाह ने कहा कि हमले में अपनों को खोने का दर्द हर भारतीय को है। बेगुनाह मासूम लोगों को मारने वाले आतंकियों को बख्शा नहीं जाएगा। इस हमले में रायपुर-भिलाई के 70 लोग फंसे हैं, जिन्हें श्रीनगर में सुरक्षित ठहराया गया है।

बताया जाता है कि आतंकियों ने दिनेश मिरानिया की पत्नी, बेटे और बेटी के आंखों के सामने ही गोली मारी। उनका पार्थिव दिल्ली से फ्लाइट से रायपुर लाया जाएगा। करीब रात 9 बजे तक पार्थिव देह पहुंचने की बात कही जा रही है। कारोबारी दिनेश मिरानिया का शव श्रीनगर से नई दिल्ली लाया जाएगा। नई दिल्ली में औपचारिकताओं को पूरी करने के बाद पार्थिव शरीर को विमान के जरिए रायपुर लाया जाएगा। आतंकी हमले में मारे गए लोगों के साथ उनके परिजनों को गृह नगर तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार ने विशेष विमानों की व्यवस्था की है।

सरकार की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, दिनेश मिरानिया (अग्रवाल) का पार्थिव शरीर दोपहर 11.45 बजे श्रीनगर से फ्लाइट 6E 2356/ 6E 5138 श्रीनगर से नई दिल्ली लाया जाएगा। इसके बाद नई दिल्ली से शव को रात करीबन 9 बजे रायपुर लाया जाएगा। शव के साथ दिवंगत की पत्नी नेहा मिरानिया, बेटा शौर्य, बेटी लक्षिता, भाई नरेश अग्रवाल और भतीजा केशव अग्रवाल विमान से रायपुर आएंगे।

सम्मानपूर्वक होगा अंतिम संस्कार

दूसरी ओर दिनेश मिरानिया के रायपुर स्थित समता कालोनी निवास पर प्रदेश के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा पहुंचकर परिजनों से संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि घटना बहुत दुखद है। दिनेश मिरानिया के परिजनों के दुख में शामिल होने आया हूं। ये आतंकवादियों की कायराना करतूत है। मिरानिया का ससम्मान अंतिम संस्कार किया जायेगा।

सांत्वना देने पहुंचे नेता

दिनेश मिरानिया के दिवंगत होने पर परिजनों को सांत्वना देने डॉ. सलीम राज पहुंचे। उसके बाद रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत, रायपुर निगम महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर और पूर्व विधायक विकास उपाध्याय समता कालोनी स्थित दिनेश मिरानिया के घर पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया।

पांच मिनट तक चलाई अंधाधुन गोलियां

आतंकी हमले में घायल रायपुर के बिजनेसमैन दिनेश मिरानिया के बेटे शौर्य मिरानिया ने बताया कि उनके पिता को आतंकियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। वे रायपुर के समता कॉलोनी के रहने वाले थे। बताया जाता है दिनेश मिरानिया अपनी पत्नी नेहा मिरानिया और दो बच्चों शौर्य और लक्षिता मिरानिया के साथ पहलगाम घूमने गए थे। आतंकियों ने इस दौरान घुड़सवारी कर रहे पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकवादियों ने घोड़े पर सवार पर्यटकों को निशाना बनाते हुए करीब पांच मिनट तक अंधाधुन गोलियां चलाई।

प्रदेश में शोक की लहर, इन्होंने जताई संवेदना

राज्यपाल रमेन डेका ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को बेहद कायराना हरकत बताते हुए इसकी कड़ी निन्दा की और इस हमले में मारे गए लोगों की सद्गति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। राज्यपाल ने कहा कि समूचा देश मृतकों के परिजनों के साथ खड़ा है। राज्यपाल ने इस हमले का शिकार हुए रायपुर के व्यापारी दिनेश मिरानिया के दिवंगत होने पर गहरा शोक व्यक्त कर ईश्वर से मृतात्मा की सद्गति एवं परिजनों को इस विकट परिस्थिति में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की और राज्य शासन को मृतक के परिजनों का हर संभव मदद करने हेतु निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री देव साय ने गहरा शोक व्यक्त किया

मुख्यमंत्री सीएम विष्णुदेव साय ने पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में रायपुर निवासी दिनेश मिरानिया के दिवंगत होने पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह नृशंस और अमानवीय कृत्य अत्यंत निंदनीय है। आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है, और इसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। स्थानीय प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री साय ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में कायर आतंकियों द्वारा किया गया हमला अत्यंत निंदनीय है। मृतकों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस हमले का करारा जवाब दिया जाएगा, बदला लिया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा- आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हत्या की

पहलगाम आतंकी हमले पर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा, 'ये अत्यंत दुखद घटना है और इस घटना में रायपुर के एक व्यापारी दिनेश मिरानिया जो पहलगाम में अपने पूरे परिवार के साथ गए थे। उनकी इस घटना में मृत्यु हो गई है। मैं उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूं...आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हत्या की। ये हमला केवल मानवता के लिए नहीं है बल्कि भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक विविधता पर किया गया आक्रमण है। इस घटना के बाद गृह मंत्री तत्काल जम्मू-कश्मीर के लिए रवाना हुए और वहां पर बैठक की और घटनास्थल पर भी वहां पहुंच गए हैं। पीएम मोदी ने अपनी विदेश यात्रा को बीच में छोड़कर भारत वापस आ गए और उच्च स्तरीय बैठक की। पूरे देश में इस घटना को लेकर आक्रोश है और पीड़ा है.....'

पूर्व सीएम बघेल ने कहा- पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमला दुखद

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमला दुखद है, कायराना है. इस हमले में अब तक 30 से अधिक लोगों के हताहत होने की खबर मीडिया के माध्यम से आ रही है। रायपुर से घूमने गए मिरानिया परिवार के सदस्य को भी गोली लगी है। हम सब घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

दैनिक आदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, गुरुवार, 24 अप्रैल, 2025
www.adityabharat.com

तमन्ना भाटिया

रोहित शेट्टी की बायोपिक में जॉन अब्राहम की होंगी हीरोइन

तमन्ना भाटिया रोहित शेट्टी की अगली फिल्म में जॉन अब्राहम संग नजर आएंगी। यह फिल्म पूर्व पुलिस आयुक्त राकेश मारिया की बायोपिक है, जिसमें तमन्ना उनकी पत्नी प्रीति मारिया का किरदार निभाएंगी। फिल्म 2026 की शुरुआत में रिलीज होगी। शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है।तमन्ना भाटिया एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वह रोहित शेट्टी की बायोग्राफिकल एक्शन फिल्म में जॉन अब्राहम के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त राकेश मारिया की जिंदगी पर आधारित है। खबरों के अनुसार तमन्ना इस प्रोजेक्ट में प्रीति मारिया का किरदार निभाएंगी। वह राकेश मारिया की पत्नी हैं। यह फिल्म तमन्ना और जॉन की जोड़ी को 'वेदा' के बाद फिर से पर्दे पर लाएगी।

प्रीति मारिया के किरदार को निभाएंगी तमन्ना

मिड-डे के हवाले से एक सूत्र ने बताया कि तमन्ना का किरदार फिल्म को इमोशनल टच देगा। प्रीति ने राकेश मारिया के करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण और खतरनाक क्षणों में उनका साथ दिया। यह किरदार उनकी निजी जिंदगी को उजागर करेगा। उनके पेशेवर जिम्मेदारियों के बीच संतुलन को भी दिखाएगा।

मारिया की जिंदगी पर आधारित है फिल्म

रोहित शेट्टी की यह फिल्म राकेश मारिया की किताब 'लेट मी से इट नाउ' पर आधारित है। यह फिल्म मारिया के एक बांद्रा के लड़के से मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी बनने तक के सफर को दिखाएगी। फिल्म में 1993 के मुंबई बम धमाकों और 26/11 आतंकी हमलों जैसे हाई-प्रोफाइल मामलों को संभालने की उनकी कहानी भी दिखाई जाएगी।

मुंबई में शूटिंग शुरु

रिपोर्ट्र्स के मुताबिक फिल्म की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है। 40 अलग-अलग लोकेशन्स पर फिल्माई जाएगी। निर्माता 2026 की शुरुआत में फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि कास्ट की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है।

शो 'बड़े अच्छे लगते हैं' में नजर आएंगी शिवांगी जोशी

चर्चा में एक्ट्रेस की वैनिटी का वायरल वीडियो

जल्द ही सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' के नए सीजन में एक्ट्रेस शिवांगी जोशी नजर आएंगी। शिवांगी के फैंस उन्हें छोटे पर्दे पर देखने के लिए एक्साइटेड हैं। हाल ही में एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें एक लग्जरी वैनिटी दिख रही हैं, इसे शिवांगी का बताया जा रहा है। टीवी सीरियल के एक्टर्स को इस तरह की वैनिटी कम ही मिलती है।

किसी घर से कम नहीं वैनिटी

सोशल मीडिया अकाउंट एक्स (ट्विटर) पर शिवांगी का एक फैन पेज है, जिस पर एक वीडियो साझा किया गया है। इस वीडियो में एक लग्जरी वैनिटी वैन दिख रही हैं, जो किसी आलीशान घर जैसी लग रही है। इसमें हर सुविधा है। इस वीडियो में दिखाई गई वैनिटी के बारे में कहा जा रहा है कि ये एक्ट्रेस शिवांगी जोशी की है। सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' के नए सीजन के लिए उन्हें ये वैनिटी मिली है।

शिवांगी ने पुष्टि नहीं की है

लग्जरी वैनिटी को देखकर सोशल मीडिया पर शिवांगी के फैस ने भी रिएक्ट किया है। वह शिवांगी के लिए काफी खुश हैं। जहां तक बात शिवांगी की है तो उन्होंने इस वैनिटी को लेकर कोई अपडेट नहीं दिया है। इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि ये वैनिटी सच में शिवांगी के लिए है।

ये हीरो सीरियल में आएगा नजर

सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' के नए सीजन में शिवांगी जोशी के साथ हर्षद चोपड़ा नजर आएंगे। इन दोनों को रोमांटिक सीरियल में देखने के लिए फैंस बेताब है। जब इस सीरियल का प्रोमो रिलीज हुआ था तो फैंस ने खूब प्यार बरसाया था। इस सीरियल को एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं।

हिंदी सिनेमा की मौजूदा हालत पर बोले आमिर खान, कहा-

हमने तरक्की की है और भी गुंजाइश है

हिंदी सिनेमा पिछले कुछ वक्त से बुरे दौर से गुजर रहा है। बॉक्स ऑफिस पर हिट फिल्मों की तुलना में फ्लॉप फिल्में ज्यादा आ रही हैं। हिंदी सिनेमा के मुकाबले क्षेत्रीय फिल्में अच्छा कर रही हैं। इस पर मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने अपनी बात रखी है। आमिर खान ने कहा है कि हिंदी फिल्मों में सुधार की गुंजाइश है।

बॉलीवुड फिल्मों में बेहतर करने की गुंजाइश है

आमिर खान ने हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बातचीत में कहा 'हम नहीं कहते कि हम बेहतर फिल्म निर्माता नहीं हो सकते। मेरे विचार से फिल्म निर्माता के तौर पर हमारे पास सुधार की बहुत गुंजाइश है। हमने कई इंडस्ट्रीज से सीखा है।' आमिर के मुताबिक अगर आप 70 और 80 के दशक की फिल्मों को देखें तो उसके बाद से फिल्में और बेहतर हुई हैं ऐसे में अगर मेहनत की जाए तो और बेहतर हो सकती हैं। आमिर ने कहा 'जब हम 1988 में आए थे तो उस वक्त फिल्मों की संख्या बहुत कम थी। उसके बाद से हमने तरक्की की है। 90 के दशक के बाद जब 2000 आया तो दर्शक बदल गए। वह बहुत खुले हुए और दूसरी तरह की सामग्री देखना चाहते थे।'

एक अच्छी फिल्म बना लूं यही बहुत है

आमिर से पूछा गया कि वह बॉलीवुड की मौजूदा हालत को बदलने के लिए क्या करना चाहते हैं? इस पर उन्होंने कहा 'मैं बस वही करना चाहता हूं जो मैं कर रहा हूं और वही कहानियां बताना चाहता हूं जिन पर मेरा यकीन है। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो अपने बारे में कोई बड़ी राय रखता हो कि मैं चीजों को बदल सकता हूं। मैंने कभी अपने बारे में ऐसी राय नहीं रखी। फिल्म बनाना बहुत मुश्किल है। मैं एक फिल्म ही अच्छे से बना लूं वही मेरे लिए बड़ी बात है।'

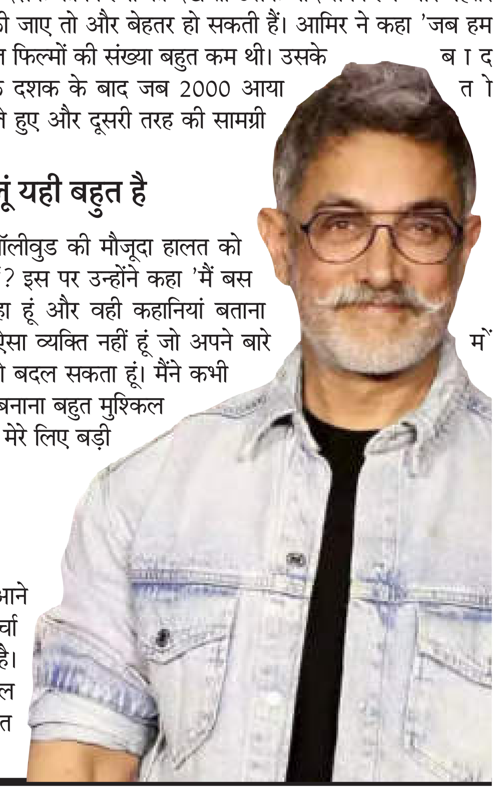

'सितारे जमीन पर' में नजर आएंगे आमिर खान

आपको बता दें कि आमिर खान अपनी आने वाली फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 'तारे जमीन पर' की सीक्वल है। फिल्म में आमिर खान का किरदार एक बॉस्केटबॉल कोच का है। फिल्म विकलांग लोगों पर आधारित है। फिल्म में जेनेलिया देशमुख भी हैं।

पंकज त्रिपाठी और अमित राय फिर साथ

पंकज त्रिपाठी ने 2023 में आई फिल्म ''ओएमजी 2'' की सफलता के बाद एक बार फिर इसके निर्देशक अमित राय के साथ अगली फिल्म के लिए हाथ मिलाया है। आगामी फिल्म को त्रिपाठी के पैतृक राज्य बिहार पर आधारित एक भावनात्मक और सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानी से जुड़ी बताया जा रहा है। फिल्म का नाम अभी अनाउंस नहीं हुआ है।

फिल्म निर्माताओं के अनुसार, हाल में फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है और इसमें बिहार की संस्कृति और कहानियों को इस तरह से पेश किया जाएगा, जैसे पहले कभी नहीं देखा गया हो। 'स्त्री 2', 'मिर्जापुर', 'बरेली की बर्फी' और 'मिमी' जैसी फिल्मों में अभिनय से मशहूर हुए पंकज त्रिपाठी ने कहा कि ''ओएमजी 2'' के बाद राय के साथ काम करना स्वाभाविक लगता है। उनकी कहानी कहने की शैली में गहराई, ईमानदारी और उद्देश्य होता है जिससे मैं गहराई से जुड़ता हूं।

उन्होंने कहा कि यह कहानी बिहार की मिट्टी से निकली है जो मेरा घर, मेरी पहचान है। एक एक्टर के रूप में इससे संतोषजनक कुछ नही हो सकता कि मैं एक ऐसी कहानी का हिस्सा बनूं जो मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक रुप से भी अर्थपूर्ण हो।वहीं अमित राय ने कहा कि त्रिपाठी के साथ दोबारा काम करना एक ऐसे रचनात्मक स्थान पर लौटने जैसा है। राय के मुताबिक यह फिल्म मानवीय रिश्तों, संघर्ष और हमें बांधने वाले सामाजिक ताने-बाने की दिल से की गई खोज है। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी के साथ ही प्रसिद्ध अभिनेता पवन मल्होत्रा, गीता अग्रवाल, राजेश कुमार और भोजपुरी फिल्म जगत के कई स्थानीय कलाकार भी शामिल हैं।

आलिया भट्ट पर बिगड़े सौतेले भाई राहुल के बोल :कहा-

न शक्ल, न टैलेंट, मेरी सगी बहन पूजा भट्ट के सामने आधी भी नहीं है

आलिया भट्ट के सौतेले भाई राहुल भट्ट ने हाल ही में एक इंटरव्यू में न सिर्फ एक्ट्रेस की तुलना अपनी सगी बहन से की बल्कि ये भी कहा कि वो उनके आगे कुछ भी नहीं है। राहुल भट्ट ने कहा है कि शक्ल और टैलेंट में आलिया भट्ट, पूजा भट्ट की आधी भी नहीं हैं। इसी दौरान उन्होंने रणबीर कपूर पर भी अटपटा बयान दिया है।

हाल ही में हिंदी रश को दिए इंटरव्यू में राहुल भट्ट से कहा गया कि आलिया भट्ट, भट्ट परिवार को लीगेसी को आगे बढ़ा रही हैं। इस पर राहुल ने कहा, अगर आप मुझसे पूछेंगे तो मेरे ख्याल में, वो (आलिया) मेरी सगी बहन (पूजा भट्ट) के आगे आधी भी नहीं है। न तो टैलेंट, न तो लुक और न तो सेक्सी। मेरी सगी बहन के सामने पानी कम चाय। अगर आप हम सभी भाई बहनों में पूछोगे कि सबसे ज्यादा टैलेंटेड कौन है या सबसे ज्यादा मोरलिस्टिक कौन है, तो वो पूजा है।

आगे राहुल भट्ट ने ये भी कहा कि पूजा भट्ट ही उनके पिता की लीगेसी को आगे ले जाने वालीं असल उत्तराधिकारी हैं। रणबीर कपूर पर बात करते हुए राहुल भट्ट ने कहा है, वो एक अच्छा पिता है। एक्टिंग का पता नहीं, मुझे समझ में नहीं आता, एक्टिंग कौन है, एक्टर कौन है, एनिमल कौन है, कपूर कौन है। कुछ फर्क नहीं पड़ता। बाप अच्छा है। बच्ची से प्यार करता है, मेरे लिए इतना काफी है। बाकी सब नाम, शोहरत, एनिमल, जाएगा, आएगा, घूम फिरकर बात आती है कि वो अच्छा पिता है। वो मेरी सौतेली बहन की इज्जत करता है, बस।

बताते चलें कि महेश भट्ट ने साल 1970 में किरण भट्ट से शादी की थी। इस शादी से उन्हें दो बच्चे पूजा और राहुल हैं। 1986 में महेश भट्ट ने सोनी राजदान से दूसरी शादी की थी, जिससे उन्हें आलिया भट्ट और शाहीन भट्ट हैं। सोनी राजदान से शादी करने के लिए महेश भट्ट ने इस्लाम कबूल कर लिया था, जिससे उन्हें पहली पत्नी को तलाक न देना पड़े।

आतंकी हमले पर हार्दिक-कमिंस ने जताया दुख

काली पट्टी बांधकर उतरे खिलाड़ी; रखा मौन

एजेंसी ● हैदराबाद

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल 2025 मैच के दौरान खिलाड़ी और अंपायर काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे। मंगलवार को हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई है जिसमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इस घटना से काफी दुखी है और हैदराबाद और मुंबई के बीच बुधवार को मैच से पहले पीड़ितों की श्रद्धांजलि दी गई।

मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल 2025 मैच के दौरान खिलाड़ी और अंपायर काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे। मंगलवार को हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई है जिसमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल हैं।

टॉस के वक्त हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस और मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या काली पट्टी बांधकर उतरे। मुंबई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। कप्तान पांड्या ने कहा- मैं सबसे पहले आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। हम एक टीम और एक फ्रैंचाइजी के रूप में ऐसे किसी भी हमले की निंदा करते हैं। वहीं, पैट कमिंस ने भी इस हमले पर दुख जताते हुए कहा- यह हमारे लिए भी दिल दहला देने वाला है, हमारी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। मैच के दौरान जहां दोनों टीमों के खिलाड़ी और अंपायर काली पट्टी बांधकर उतरे, वहीं मैच शुरू होने से पहले एक मिनट का मौन भी रखा गया। इतना ही नहीं इस मैच के लिए मैदान पर कोई चीयरलीडर्स भी नहीं होंगी। खेल जगत के लोगों ने पहलगाम आतंकी हमले पर दुख जताते हुए पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। इस आतंकी हमले के बाद कई पूर्व खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी है।

मरने वालों में ज्यादातर पर्यटकजम्मू-कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट ह्यमिनी स्विटरलैंडह्न नाम से मशहूर पर्यटन स्थल पर मंगलवार दोपहर हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर पर्यटक हैं। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे घातक हमला है। पहलगाम शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर बैसरन चीड़ के पेड़ों के घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा एक विशाल घास का मैदान है तथा देश व दुनिया के पर्यटकों के बीच पसंदीदा स्थान है। पहलगाम हमले के संबंध में अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हथियारबंद आतंकवादी 'मिनी स्विट्जरलैंड' में घुस आए और भोजनालयों के आसपास घूम रहे, खच्चर की सवारी कर रहे, पिकनिक मना रहे पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के छद्म संगठन ह्यद रेजिस्टेंस फ्रंटह्न (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

लताड़ लगाकर की ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी की मांग

'कोई बहाना नहीं चलेगा', ऋषभ पंत पर भड़के अंबाती रायुडू

एजेंसी ● नई दिल्ली

पूर्व भारतीय बल्लेबाज और मशहूर कमेंटटेटर अंबाती रायुडू ने लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत के मौजूदा फॉर्म पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पंत को अपने फैसलों पर नियंत्रण करना चाहिए और ऊपरी क्रम में आने के लिए बहाने बंद करने होंगे। मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में लखनऊ को आठ विकेट से मुंह की खानी पड़ी थी। इस मैच में स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए थे, जिसकी वजह से अब उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

मौजूदा सत्र में पंत का बल्ला खामोश रहा है। अब तक खेले नौ मैचों में उन्होंने सिर्फ 106 रन बनाए हैं, इनमें सिर्फ एक अर्धशतकीय पारी शामिल है। दिल्ली के खिलाफ वह सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। उन्हें मुकेश कुमार ने बोल्ड किया। यह मुकाबले में शिकस्त के साथ लखनऊ -0.054 के नेट रन रेट के साथ पांचवें पायदान पर खिसक गई।

पंत पर भड़के रायुडू

मैच के बाद अंबाती रायुडू ने ऋषभ पंत पर अपनी भड़ास निकाली और कहा कि उन्हें टीम में लिए जाने वाले निर्णयों पर नियंत्रण रखना होगा और ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए आना होगा। उन्होंने कहा- ऋषभ पंत को वास्तव में एलएसजी में लिए जा रहे निर्णयों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। उसे बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आने की आवश्यकता है। वह अब कोई बहाना नहीं दे सकता। वह कप्तान है और यह कप्तान का खेल है। हम सभी इसे स्वीकार करते हैं। आगे बढ़ते हुए, एलएसजी को कुछ बदलाव करने की आवश्यकता है। शायद मयंक यादव को शामिल किया जाए। साथ ही पंत को थोड़ा ऊपर बल्लेबाजी करनी होगी। आप पूरी स्थिति को लेकर स्पष्ट रूप से काफी तनाव में दिख रहे हैं।

अंतिम ओवर में बल्लेबाजी के लिए उतरे पंत

पंत बल्लेबाजी के लिए उस वक्त उतरे जब लखनऊ की पारी समाप्त होने में दो गेंद शेष थी। पंत इस मैच में भले ही दो गेंद खेलने उतरे, लेकिन खाता भी नहीं खोल सके। लखनऊ की पारी समाप्त होने के बाद ड्रेसिंग रूम में निराश नजर आए। सबसे ज्यादा हैरानी की बात पंत का निचले क्रम पर उतरना रहा। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि सातवें नंबर पर उतरने का फैसला पंत का था या टीम प्रबंधन ने उन्हें देर से उतरने कहा था।

जहीर खान से पंत की बहस पर भी बोले रायुडू

मैच के बाद पंत टीम के मेंटर जहीर खान के साथ तीखी बहस करते नजर आए। ऐसा लग रहा था कि वह जहीर के साथ बल्लेबाजी स्थान को लेकर बहस कर रहे हैं। इस पर चर्चा करते हुए रायुडू ने कहा- मुझे लगता है कि पंत को वास्तव में खुद पर जिम्मेदारी लेने की जरूरत है। उसे वास्तव में अपने फैसले खुद लेने की जरूरत है। अगर आप एक अच्छी टीम हैं तो कभी-कभी ये दृश्य वास्तव में अच्छे नहीं होते हैं। क्योंकि आप चाहते हैं कि सब कुछ बंद दरवाजों के पीछे हो। आप चाहते हैं कि सब कुछ घर के अंदर कहा जाए।

केएल राहुल ने आईपीएल में हासिल की बड़ी उपलब्धि, डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज केएल राहुल ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ मैच के दौरान बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। राहुल आईपीएल में सबसे कम पारियों में 5000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ा। राहुल ने लखनऊ के खिलाफ नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली और अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। दिल्ली कैपिटल्स ने केएल राहुल और अभिषेक पोरेल के अर्धशतकों से लखनऊ सुपर जाएंट्स को आठ विकेट से हराया। लखनऊ ने इकाना स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में एडेन मार्करम के अर्धशतक के दम पर 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन बनाए, जवाब में दिल्ली ने 17.5 ओवर में दो विकेट पर 161 रन बनाकर मैच जीत लिया। दिल्ली के लिए राहुल ने 42 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 57 रन बनाए। केएल राहुल ने इसके साथ ही आईपीएल में 5000 रन भी पूरे कर लिए। वह सबसे कम पारियों में ऐसा करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने 130 पारियों में यह उपलब्धि पूरी की और डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ दिया। वॉर्नर ने 135 पारियों में आईपीएल में 5000 रन पूरे किए थे। वॉर्नर ने 2020 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ यह उपलब्धि नाम दर्ज की थी। इस सूची में तीसरे स्थान पर विराट कोहली हैं जिन्होंने 157 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी, जबकि एबी डिविलियर्स 161 और शिखर धवन 168 पारियों के साथ क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। राहुल आईपीएल इतिहास में आठवें बल्लेबाज हैं जिन्होंने इस टूनामेंट में 5000 रन बनाए हैं। राहुल के अलावा कोहली, रोहित शर्मा, धवन, वॉर्नर, सुरेश रैना, महेंद्र सिंह धोनी और डिविलियर्स ऐसा कर चुके हैं। मैच की बात करें तो दिल्ली ने एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। दिल्ली की आठ मैच में यह छठी जीत है। यह पांचवीं बार है जब किसी सीजन दिल्ली ने शुरूआती आठ में से छह मुकाबले जीते हैं। दिल्ली ने आईपीएल 2025 से पहले 2009, 2012, 2020 और 2021 सीजन में भी शुरूआती आठ में से छह मैच जीते थे। दिलचस्प बात यह है कि जब भी दिल्ली ने ऐसा किया है वो प्लेऑफ में पहुंचने में सफल रही है। इस जीत के साथ ही दिल्ली के 12 अंक हो गए हैं और वह

पाकिस्तान से खेल संबंध समाप्त करने की मांग, सचिन-कोहली ने भी आतंकी हमले पर जताया शोक

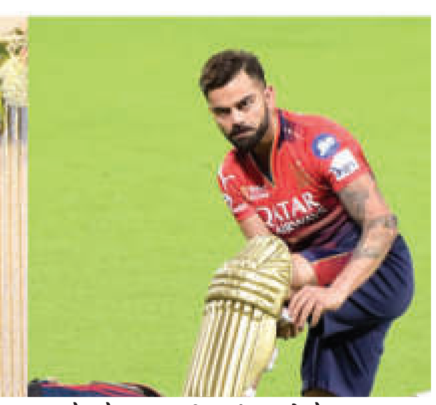

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारतीय खेल जगत ने भी पहलगाम आतंकी हमले पर शोक जताया है। वहीं, भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने पाकिस्तान के साथ खेल संबंध पूरी तरह समाप्त करने की मांग की है। मंगलवार को हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई है जिसमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे घातक हमला है। पहलगाम शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर बैसरन चीड़ के पेड़ों के घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा एक विशाल घास का मैदान है तथा देश व दुनिया के पर्यटकों के बीच पसंदीदा स्थान है। पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के छद्म संगठन ह्यद रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है।भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली ने भी इस हमले पर दुख जताया और पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी है। सचिन ने लिखा, पीड़ित परिवार अकल्पनीय कष्ट से गुजर रहे होंगे। भारत और दुनिया भर में लोग इस कठिन समय में उनके साथ हैं। हम इस हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देते हैं और न्याय की प्रार्थन करते हैं।

आईपीएल 2025 में हिस्सा ले रहे दिग्गज भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा, पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना। जिन परिवार के लोगों ने इस कायरतापूर्ण हमले में अपनी जान गंवाई है, उनके लिए प्रार्थना करता हूं और परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति मिले ऐसी प्रार्थना करता हूं।

श्रीवत्स गोस्वामी ने चैंपियंस ट्रॉफी का दिया उदाहरण

इस बीच, पूर्व भारतीय क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए पाकिस्तान के साथ सभी प्रकार के खेल संबंध समाप्त करने की मांग कर डाली है। गोस्वामी ने लिखा, इसलिए मैं कहता हूं कि आप पाकिस्तान के साथ क्रिकेट नहीं खेलें। ना सिर्फ अभी, बल्कि कभी नहीं। जब बीसीसीआई या सरकार ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने से इन्कार किया था तो कुछ लोगों ने कहा था कि खेल को राजनीति से ऊपर रखना चाहिए। लगता है कि निर्दोष भारतीयों की हत्या करना पाकिस्तान का राष्ट्रीय खेल बना गया है और भारत को जीरो टोलेरेंस के तहत जवाब देना चाहिए, ना कि बल्ले और गेंद से।

2021 के बाद जिम्बाब्वे की पहली टेस्ट जीत, बांग्लादेश को तीन विकेट से हराया; ब्लेसिंग मुजरबानी चमके

सिलहट। जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को तीन विकेट से हराकर टेस्ट क्रिकेट में 2021 के बाद इस प्रारूप में अपनी पहली जीत दर्ज की है। पिछले चार वर्षों में उन्होंने एक भी टेस्ट मुकाबले में जीत का स्वाद नहीं चखा था। जिम्बाब्वे की इस जीत में तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी का अहम योगदान रहा। उन्होंने कुल नौ विकेट लेकर मेजबानों की कमर तोड़ दी।जिम्बाब्वे की टीम इन दिनों दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए बांग्लादेश के दौरे पर है। दोनों के बीच पहला मुकाबला सिलहट में खेला गया। इसमें बांग्लादेश ने पहली पारी में मोमिनुल हक के अर्धशतक की मदद से 191 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे ने 273 रन बनाए और 82 रन की बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में मेजबान टीम 255 रन पर ऑलआउट हो गई और जिम्बाब्वे को 174 रन का लक्ष्य दिया। ब्रायन बेनेट और बेन करन की 95 रनों की विशाल साझेदारी के दम पर मेहमानों ने सात विकेट खोकर 174 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

2021 के बाद जिम्बाब्वे ने जीता पहला टेस्ट मुकाबला – जिम्बाब्वे की इस जीत के हीरो तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी रहे। उन्होंने बांग्लादेश की पहली पारी में तीन और दूसरी पारी में छह विकेट लेकर मेजबानों का बल्लेबाजी क्रम ध्वस्त कर दिया। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। जिम्बाब्वे ने 2021 के बाद पहली बार कोई टेस्ट मुकाबला जीता है। इससे पहले उन्होंने अफगानिस्तान को 10 विकेट से घरे के बाहर ही हराया था। उसके बाद टीम को नौ में से सात मैचों में शिकस्त झेलनी पड़ी जबकि दो मैच ड्रॉ रहे। बांग्लादेश को पहले मुकाबले में हराकर टीम ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-1 से बढ़त बना ली है। इस सीरीज का दूसरा मुकाबला 28 अप्रैल से चटगांव में खेला जाएगा, जिसमें नाजमुल हुसैन शांतो की अगुआई वाली टीम बराबरी करने उतरेगी।

पहलगाम आतंकी हमले पर खेल जगत में भी आक्रोश, गौतम गंभीर बोले- भारत करेगा पलटवार

नई दिल्ली। खेल जगत के लोगों ने पहलगाम आतंकी हमले पर दुख जताते हुए पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर इस घटना से काफी क्रोधित हुए और उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत इस कायरतापूर्ण का जवाब देगा। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट ह्यमिनी स्विटरलैंडह्न नाम से मशहूर पर्यटन स्थल पर मंगलवार दोपहर हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर पर्यटक हैं। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे घातक हमला है।
एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने बताया कि 26 मृतकों में दो विदेशी और दो स्थानीय निवासी हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस आतंकी हमले को 'हाल के वर्षों में आम लोगों पर हुए किसी भी हमले से कहीं बड़ा' हमला बताया। अधिकारियों ने बताया कि यह हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत की यात्रा पर हैं। इसी समय जम्मू-कश्मीर में पर्यटन और ट्रैकिंग का मौसम जोर पकड़ रहा है। इस हमले को लेकर जहां देशभर में आक्रोश है तो वहीं खेल जगत के लोगों ने भी अपना रोष जताया है। भारतीय टीम के मुख्य कोच गंभीर ने एक्स पर लिखा, मृतकों के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। इसके लिए जिम्मेदार लोगों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत जोरदार पलटवार करेगा।

भविष्य में भारत के लिए खेलना चाहते हैं अभिषेक पोरेल, फिलहाल नजरें दिल्ली के लिए आईपीएल खिताब पर

एजेंसी ● लखनऊ

दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाजी अभिषेक पोरेल का सपना भविष्य में भारत का प्रतिनिधित्व करने का है, लेकिन उन्होंने कहा कि फिलहाल उनका ध्यान दिल्ली के लिए आईपीएल ट्रॉफी जीतने पर केंद्रित है। पोरेल ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए 36 गेंदों पर 51 रन बनाए थे और टीम को मिली जीत में अहम योगदान दिया था। पोरेल ने कहा, जाहिर है कि हम प्रत्येक पारी का आनंद लेता हूं और हर पारी में विकसित होने की कोशिश करता हूं।

भविष्य के लिए मेरी रणनीति भारत का प्रतिनिधित्व करना है और देश के लिए लंबे समय तक खेलना है। लेकिन मेरा फिलहाल ध्यान आईपीएल ट्रॉफी पर केंद्रित है। मैं किस तरह टीम के लिए ट्रॉफी जीत सकता है और किस तरह दिल्ली कैपिटल्स के लिए योगदान दे सकता हूं, बस इस बारे में सोच रहा है। मेरे लिए अभी यही मायने रखता है। मैं और सहायक स्टाफ मेरे खेल को समझते हैं। सहायक स्टाफ हमेशा मुझसे स्वतंत्र होकर खेलने और किसी तरह की चिंता नहीं करने के लिए कहता है। लखनऊ के सहायक कोच विजय दहिया ने कहा कि उनकी टीम ने शानदार शुरूआत के बाद पारी के दूसरे भाग में लय खो दी। उन्होंने कहा, आप देख सकते हैं कि हमने नौ ओवरों में 80 से अधिक रन बनाए। वहां से हमने लय थोड़ी खो दी। हमारे पास लय थी और हमें उसका फायदा उठाना चाहिए था। मुझे लगता है कि दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों ने परिस्थितियों का बेहतर आकलन किया। उन्होंने बहुत अच्छी वापसी की।

मैच का हाल

मैच की बात करें तो दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ को आठ विकेट से हराकर टूनार्मेंट में छठी जीत दर्ज की। लखनऊ ने इकाना स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में एडेन मार्करम के अर्धशतक के दम पर 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन बनाए, जवाब में दिल्ली ने 17.5 ओवर में दो विकेट पर 161 रन बनाकर मैच जीत लिया। इस जीत के साथ ही दिल्ली के 12 अंक हो गए हैं और वह गुजरात टाइटंस के बाद अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है।

'परेशानी की बात..', सीएसके के लचर प्रदर्शन पर आया सीईओ काशी विश्वनाथन का बयान

एजेंसी ● नई दिल्ली

पांच आईपीएल खिताब जीत चुकी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए 18वां सत्र अब तक कुछ खास नहीं रहा है। आठ में से छह मैचों में शिकस्त के साथ टीम अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। टीम की कमान ऋतुराज गायकवाड़ की जगह महेंद्र सिंह धोनी संभाल रहे हैं। सलामी बल्लेबाज चोट के कारण पूरे सत्र से बाहर हो गए थे। चेन्नई के मौजूदा प्रदर्शन पर अब टीम के सीईओ काशी विश्वनाथन ने खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि उतार-चढ़ाव से घबराने की कोई बात नहीं है।आईपीएल के 18वें सत्र में चेन्नई ने सिर्फ दो मैचों में जीत का स्वाद चखा है। धोनी के नेतृत्व में टीम ने लखनऊ को हराया था। इससे पहले सीएसके ने मुंबई को सत्र के अपने पहले मुकाबले में चार

विकेट से मात दी थी। अब चेन्नई जीत के लिए तरस रही है। टीम के मौजूदा प्रदर्शन पर बात करते हुए विश्वनाथन ने कहा- हम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। हम सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं और हम अगले कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। हमने अपनी फ्रेंचाइजी में कभी भी पैनिक बटन नहीं दबाया है, ऐसा नहीं है, यह सिर्फ एक खेल है।

धोनी पर क्या बोले सीएसके के सीईओ?

इस दौरान चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ को धोनी का बचाव करते देखा गया। उन्होंने कहा कि माही वही करेंगे जो टीम के हित में होगा। उन्होंने कहा- देखिए यह किसी एक का सवाल नहीं है। यह सवाल है कि टीम को अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए न कि सिर्फ एक व्यक्ति को। हम टीम प्रबंधन से बात नहीं करते। धोनी वही करेंगे जो टीम के लिए सही होगा। प्रशासक के तौर पर हम टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं और हम अपनी टीम की बिल्कुल भी आलोचना नहीं करते। इससे पहले चेन्नई के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा था कि धोनी के पास कोई जादू की छड़ी नहीं है। वह रातों रात टीम का भविष्य नहीं बदल सकते।

दैनिक अदित्य भारत !! श्रीकृष्ण शरणंमम!! सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, बुधवार, 01 जनवरी, 2025
www.adityabharat.com

आसमान में गर्म हवा के गुब्बारे

नेवशेहिर, तुर्की
कप्पाडोसिया क्षेत्र की अनोखी चट्टानी संरचनाओं के ऊपर आसमान में गर्म हवा के गुब्बारे उड़ रहे हैं

अमित शाह से मिलते ही फफक कर रो पड़े मृतकों के परिजन

आतंक के आगे नहीं झुकेगा भारत

एजेंसी ● नई दिल्ली/श्रीनगर

आतंकवाद

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए जब देश के गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर के पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचे तो वहां का पूरा माहौल गमगीन था। मृतकों को श्रद्धांजलि देने के बाद गृह मंत्री शाह उस ओर बढ़े जहां मृतकों को परिजन मौजूद थे। अमित शाह ने उनसे मुलाकात की और उन्हें ढाढस बंधाया।

मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। वे गृह मंत्री के सामने अपनी बातें रख रहे थे। वहीं गृह मंत्री अमित शाह भी काफी मर्माहत नजर आए। उन्होंने लोगों से बात की और बगल में खड़े एक बच्चे के माथे पर हाथ फेरकर उसे सांत्वना दी। लोगों से हिम्मत से काम लेने को कहा। अमित शाह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, "भारी मन से पहलगाम आतंकी हमले के मृतकों को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत आतंक के आगे नहीं झुकेगा। इस नृशंस आतंकी हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।*

आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां पुलिस नियंत्रण कक्ष में आयोजित शोक समारोह में पुष्पचक्र अर्पित करने के बाद शाह हेलिकॉप्टर से श्रीनगर से करीब 110 किलोमीटर दूर बैसरन के लिए रवाना हुए। बैरसन में ही आतंकवादियों ने पर्यटकों पर हमले किए थे। अमित शाह ने सुरक्षा अधिकारियों से घटना की पूरी जानकारी ली और मौके का मुआयना किया। शाह हमले के कुछ घंटों के भीतर मंगलवार रात को यहां पहुंचे और उन्हें पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने स्थिति के बारे में जानकारी दी। गृह मंत्री ने एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की भी अध्यक्षता की, जिसमें उपराज्यपाल भी शामिल हुए।

लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को पत्नी ने दी भावुक विदाई

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में भारतीय नौसेना के एक अधिकारी लेफ्टिनेट विनय नरवाल की भी मौत हो गई थी। लेफ्टिनेंट नरवाल कोच्चि में ड्यूटी पर तैनात थे और वह छुट्टी पर थे और पहलगाम गए हुए थे। इस घटना में उनकी भी मौत हो गई है। इस बीच लेफ्टिनेंट नरवालके पार्थिव शरीर को उनकी पत्नी ने भावुक विदाई दी है। रोती बिलखती लेफ्टिनेंट नरवाल की पत्नी ने कहा, 'इनकी वजह से कई लोगों ने सर्वाइव किया। हमें आप पर हमेशा गर्व रहेगा।' 16 अप्रैल को ही लेफ्टिनेंट नरवाल की शादी हुई थी और 19 अप्रैल को उनका रिसेप्शन था। दो दिन पहले वह पहलगाम पहुंचे थे। घर में खुशियों का माहौल खत्म भी नहीं हुआ कि उनके परिवार में अब मातम पसर चुका है।

लेफ्टिनेंट विनय नरवाल का पार्थिव शरीर बुधवार को दिल्ली पहुंचा। इस दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में मुख्यमंत्री ने नरवाल की पत्नी हिमांशी नरवाल को गले लगाकर सांत्वना दी, जिस दौरान वह खुद भी भावुक हो गईं। इस दौरान नेवी ऑफिसर का परिवार भी मौजूद था। सीएम रेखा गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'यह देश उनके बलिदान को कभी नहीं भूलेगा। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और उनके परिजनों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति दें।

असम के प्रोफेसर ने आतंकी हमले में ऐसे बचाई जान

मैं कलमा पढ़ सकता था, इसलिए बच गया

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछकर गोलियां बरसाईं। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्हें कलमा पढ़ने के लिए भी कहा गया, जिससे उनके धर्म की पहचान हो सके। जिन्होंने कलमा पढ़ा, उन्हें आतंकियों ने छोड़ दिया। इसी तरह असम के एक हिंदू प्रोफेसर को भी आतंकियों ने गोली नहीं मारी, क्योंकि वह कलमा पढ़ सकते थे। इसके चलते असम यूनिवर्सिटी में बंगाली डिपार्टमेंट में एसोसिएट प्रोफेसर देबाशीष भट्टाचार्य की जान बच सकी।

देबाशीष भट्टाचार्य भी उस समय पहलगाम की बेसरन घाटी में अपने परिवार के साथ मौजूद थे, जिस समय आतंकी हमला हुआ। उन्होंने बताया, ''मैं अपने परिवार के साथ एक पेड़ के नीचे लेटा हुआ था। तभी मैंने सुना कि मेरे आसपास के लोग कलमा पढ़ रहे थे। यह सुनकर मैंने भी पढ़ना शुरू कर दिया। कुछ देर में आतंकी मेरी ओर बढ़ा और मेरे बगल में लेटे व्यक्ति के सिर में गोली मार दी।''

उन्होंने बताया, ''इसके बाद आतंकी ने मेरी ओर देखा और पूछा कि क्या कर रहे हो? मैं और तेजी से कलमा पढ़ने लगा। इसके बाद वह किसी वजह से वहां से मुड़कर चला गया।'' इसके बाद मौका पाते ही प्रोफेसर चुपचाप अपनी पत्नी और बेटे के साथ वहां से छिपकर निकल गए। लगभग दो घंटे तक चलते हुए और घोड़ों के पैरों के निशान को फॉलो करते हुए आखिरकार वह वहां से निकलने और होटल पहुंचने में कामयाब हो सके। भट्टाचार्य ने बताया कि उन्हें अभी भी यकीन नहीं हो रहा है कि वह जिंदा हैं।

मुस्लिमों को दबाये जाने से हुआ आतंकी हमला : वाड्रा

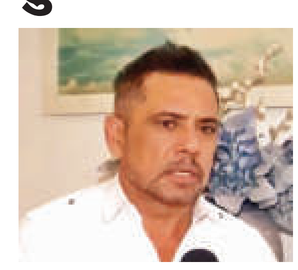

एजेंसी ● नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले पर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा का विवादित बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, 'यह प्रधानमंत्री के लिए एक संदेश है, क्योंकि मुसलमान कमजोर महसूस कर रहे हैं।' संवेदनशील मौके पर वाड्रा के इस बयान की बीजेपी ने आलोचना की है।

रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, 'मुझे बहुत बुरा लग रहा है और मेरी गहरी संवेदनाएं इस आतंकवादी कृत्य में मारे गए लोगों के प्रति हैं। हमारे देश में, हम देखते हैं कि यह सरकार हिंदुत्व की बात करती है, और अल्पसंख्यक असहज और परेशान महसूस करते हैं। यदि आप इस आतंकवादी कृत्य का विश्लेषण करते हैं, यदि वे (आतंकवादी) लोगों की पहचान देख रहे हैं, तो वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? क्योंकि हमारे देश में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच एक विभाजन पैदा हो गया है। इससे इस तरह के संगठनों को लगेगा कि हिंदू सभी मुसलमानों के लिए समस्या पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पहचान को देखना और फिर किसी की हत्या करना, यह प्रधानमंत्री के लिए एक संदेश है, क्योंकि मुसलमान कमजोर महसूस कर रहे हैं। अल्पसंख्यक कमजोर महसूस कर रहे हैं। यह बात ऊपर से आनी चाहिए कि हम अपने देश में सुरक्षित और धर्मनिरपेक्ष महसूस करते हैं और हम इस तरह के कृत्य होते नहीं देखेंगे।'

'आतंकियों की भाषा बोल रहे वाड्रा' : बीजेपी

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता नलिन कोहली ने कहा, 'रॉबर्ट वाड्रा की टिप्पणी पूरी तरह से निंदनीय है। यह वही भाषा है जो आतंकवादी हमेशा अपने आतंकवाद को सही ठहराने के लिए इस्तेमाल करते हैं। रॉबर्ट वाड्रा की टिप्पणी से यह स्पष्ट है कि वह ऐसे भयानक आतंकी हमले पर राजनीति करना चाहते हैं, जबकि पूरा देश इसके खिलाफ एकजुट है।' कोहली ने वाड्रा से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कहा, 'एक तरफ कांग्रेस अध्यक्ष कहते हैं कि पार्टी सरकार के साथ है, वहीं दूसरी तरफ नेहरू-गांधी परिवार के सदस्य रॉबर्ट वाड्रा कहते हैं कि आतंकी हमले के मूल कारण तक जाने की जरूरत है।'

यूक्रेन को ट्रंप का 'अंतिम प्रस्ताव'; वेंस बोले- 'मानो या फिर अमेरिका दूर हटे'

एजेंसी ● वॉशिंगटन

प्रस्ताव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए यूक्रेन को अपना अंतिम प्रस्ताव दिया है। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि अमेरिका क्रीमिया को रूसी क्षेत्र मानने के लिए तैयार है और वो लुहांस्क, दोनेत्स्क के साथ-साथ जापोरोज्जिया और खेरसॉन पर भी रूसी कंट्रोल को अनौपचारिक रूप से ही सही, लेकिन मानने के लिए तैयार है। भारत दौरे पर आए अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस ऑफर के संबंध में रूस और यूक्रेनकोचेतावनीभी दी है कि वो या तो यह ऑफर स्वीकार करे या फिर अमेरिका इस शांति समझौता वार्ता से ही बाहर हो जाएगा।

ब्रिटेन की राजधानी लंदन में बुधवार को यूक्रेन मुद्दे पर चल रही है बैठक में ट्रंप के फाइनल ऑफरको यूक्रेन के समक्ष पेश किया गया है। हालांकि, यूक्रेन के राष्ट्रपति

वोलोदिमीर जेलेंस्की ने पहले ही कह दिया है कि वो यूक्रेन में रूस के कब्जाए इलाकों को मान्यता देने वाले किसी भी ऑफर को स्वीकार नहीं करेंगे। इसी बीच जेडी वेंस ने यूक्रेन और रूस को चेतावनी देते हुए कहा है, 'अब समय आ गया है कि या तो वो (रूस, यूक्रेन) हां कहें या फिर अमेरिका इस प्रक्रिया से दूर हो जाए।

जानी-मानी इन्वेस्टिगेटिवन्यूज वेबसाइट एक्सियोस ने मामले से संबंधित अज्ञात सूत्रों के हवाले से बताया कि ट्रंप का फाइनल ऑफर एक पेज का डॉक्यूमेंट है। इस डॉक्यूमेंट को कथित तौर पर इस महीने की शुरुआत में ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ चार घंटे की बैठक के बाद तैयार किया था। पिछले हफ्ते पेरिस में यूक्रेनी अधिकारियों के सामने इस डॉक्यूमेंट को प्रस्तुत किया गया था।

ट्रंप के फाइनल ऑफर में क्रीमिया को रूसी क्षेत्र के रूप में मान्यता देने की बात कही गई है। 2014 में यूक्रेन के साथ युद्ध के दौरान रूस ने यूक्रेन के हिस्से क्रीमिया पर कब्जा किया था।

फरवरी 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद रूस ने यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र (दोनेत्स्क और लुहांस्क), जापोरिज्जिया और खेरसॉन पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लिया है। नए ऑफर में ट्रंप इन चार इलाकों में भीरूसी नियंत्रण कोअनौपचारिक रूप से स्वीकार करने के लिए तैयार हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के नए ऑफर में रूस पर 2014 के बाद लगे प्रतिबंधों को हटाने और द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को बढ़ाने का प्रावधान भी शामिल है।

इसके अलावा, यह भी कहा गया है कि अमेरिका औपचारिक रूप से यूक्रेन के नेटो में शामिल होने की कोशिश का भी विरोध करेगा।

बदले में यूक्रेन को क्या मिलेगा?

बदले में, यूक्रेन को यूरोपीय संघ और अन्य देशों के गठबंधन से कथित तौर पर "मजबूत सुरक्षा गारंटी" मिलेगी। हालांकि, ऑफर में इस बात की पूरी जानकारी नहीं दी गई है कि प्रस्तावित शांति अभियान कैसे काम करेगा। इस अभियान के तहत विभिन्न देशों की गठबंधन सेना युद्ध खत्म होने के बाद शांति कायम करने के लिए यूक्रेन में तैनात की जाएगी। रुस ने किसी भी बहाने से यूक्रेन में नेटो सैनिकों या गठबंधन के किसी भी देश के सैनिकों की यूक्रेन में तैनाती का विरोध किया है।

ट्रंप के ऑफर में यूक्रेन को नीपर नदीं तक बिना रोक-टोक पहुंच और पुनर्निर्माण के लिए मुआवजे का भी वादा किया गया है। इस ऑफर में अमेरिका और यूक्रेन के बीच खनिज समझौत का भी जिक्र किया गया है। माना जा रहा है कि इसी गुरुवार को ट्रंप खनिज समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)